10 केएल राहुल....



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 श्रीनिधि...



रांची, मंगलवार, 10 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -137 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

हजारीबाग के दनुआ घाटी में सड़क किनारे खड़ी सवारी गाड़ी को पीछे से आ रहे एक ट्रेलर ने मारी टक्कर

एक ही परिवार के 5 लोगों समेत 7 की मौत, 12 से अधिक घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

हजारीबाग। जिले के चौपारण थाना अंतर्गत हथिया बाबा मोड़ के निकट दनुआ घाटी में भीषण सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई. पूरा परिवार अंतिम संस्कार करने के लिए बनारस जा रहा था, इसी दौरान घटना घटी है. यह हादसा सोमवार सुबह करीब 11 बजे महानेटांड के समीप हुई. जब सड़क किनारे खड़ी सवारी गाड़ी को पीछे से आ रहे एक ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में पांच लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. जिन्हें इलाजे के लिए अस्पताल ले जाया गया. वहीं इलाज के दौरान दो घायलों ने दम तोड़ दिया. जिसके बाद इस हादसे में मृतकों की संख्या 7 हो गई.



अंतिम संस्कार के लिए बनारस जा रहा था परिवार

मिली जानकारी के अनुसार, लगभग 20 लोग सवारी गाड़ी पर सवार होकर शव जलाने के लिए बनारस जा रहे थे. दनुआ घाटी के महानेटांड़ कट के समीप वाहन के उपर रखा शव का रस्सी ढीला हो गया. स्थानीय लोगों के अनुसार, वाहन सड़क पर खड़ा कर यात्री रस्सी को ठीक करने में जुटे थे. इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रेलर ने सवारी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि सवारी गाड़ी में बैठे लोग इसकी चपेट में आ गए. जिससे पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई.

मौके पर पहुंची पुलिस

हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर फरार हो गया. इसी बीच पीछे से आ रहा कोयला लदा एक ट्रक भी सवारी गाड़ी से टकराकर सड़क किनारे घाटी में पलट गया. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पंकज कुमार और नितिन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया.

सात लोगों की मौत

चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि घटना के बाद चौपारण पुलिस टीम और उन्होंने खुद घटनास्थल पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य शुरू किया. दुर्घटना के कारण का पता लगाया जा रहा है, जांच चल रही है. दुर्घटना काफी दर्दनाक थी. थाना प्रभारी ने घटनास्थल पर ही पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है. साथ ही यह भी कहा है कि घायलों में चार लोगों की स्थिति काफी नाजुक है, जिन्हें शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल हजारीबाग भेजा गया है. शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के उपाधीक्षक डॉक्टर राजकिशोर सूचना मिलने के बाद ट्रॉमा सेंटर पहुंचे और मरीजों को बेहतर इलाज मिले इसे लेकर चिकित्सकों से विचार विमर्श किया है. उन्होंने बताया कि जो भी घायल आ रहे हैं उन्हें उचित स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा है. घटना में 7 लोगों की मौत हुई है. 5 की मौत घटनास्थल पर हुई थी और दो की मौत अस्पताल पहुंचने के बाद हुई है.

गिरिडीह के रहने वाले थे सभी लोग

इस हादसे में जिन सात लोगों की मौत हुई है, वे गिरिडीह के बगोदर प्रखंड के रहने वाले थे. सभी मुंडरो पंचायत के बिहारो अंतर्गत सलैयाटांड के निवासी थे. सभी सवारी गाड़ी पर सवार होकर एक बुजुर्ग व्यक्ति के शव का अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी जा रहे थे. मृतकों में एक ही परिवार के दो लोगों सहित रिश्तेदार और पड़ोसी शामिल हैं. घटना के बाद मुंडरो पंचायत के बिहारो गांव अंतर्गत सलैयाटांड में मातम का माहौल है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है. जानकारी के अनुसार, सलैयाटांड गांव के कुंजों प्रजापति (90 साल) की रविवार को मृत्यु हो गई थी. जिसके बाद उनके शव के अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी लेकर जाया रहा था. मृतकों में कुंजों पंडित के बेटे राजू पंडित, बहु बुधनी देवी, दामाद धोकल पंडित (चौबे), जीजा रामेश्वर पंडित (चिचाकी) एवं पड़ोसी रामकिशुन मंडल शामिल हैं. वहीं घायलों में डिली प्रजापति, जितेन्द्र पंडित, विष्णु पंडित, मृतक कुंजो प्रजापति के बेटा सीताराम पंडित, फागुन पंडित, बेटा, लखन पंडित, बेटा रूबिया देवी, सावित्री देवी आदि शामिल हैं. घटना के बाद मृतकों के घर और गांव में मातम हैं. यहां पहुंचे भाकपा माले नेता राजेश मंडल बताते हैं कि मृतक कुंजो पंडित की इच्छा थी की उसका अंतिम संस्कार वाराणसी में हो.

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



श्रीमती बबीता सिंह
रांची, झारखंड।

दीपावली का पावन पर्व केवल दीप जलाने का उत्सव नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। आइए, इस शुभ अवसर पर प्रेम, सद्भाव, खुशहाली और मानवता के दीप जलाकर समाज में नई रोशनी फैलाएं। सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**
चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **81,106.65**
निफ्टी :- **25,044.65**

मौसम

अधिकतम तापमान : **26**
न्यूनतम तापमान : **15**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **06:00**
संध्या :- **17:06**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1236 को दिल्ली के सुल्तान रुकनुद्दीन फिरोज शाह की हत्या कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

ठंड से बचने के लिए जलाया था कोयला का चूल्हा, दम घुटने से पति की मौत, पत्नी गंभीर

धनबाद। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कमरे में कोयला का चूल्हा जलाकर सोना एक दंपती के लिए जानलेवा साबित हुआ. कतरास थाना क्षेत्र के भंडारीडीह में रविवार रात एक युवक की दम घुटने से मौत हो गई. जबकि उसकी पत्नी की हालत गंभीर बनी हुई है. राहत की बात यह है कि उनके नवजात बच्चे की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है. मृतक की पहचान भंडारीडीह निवासी काशिद अंसारी के रूप में हुई है. बताया जाता है कि काशिद अपनी पत्नी अष्टमी कुमारी और नवजात बच्चे के साथ रविवार रात कमरे में कोयला का चूल्हा जलाकर सो गए थे. सोमवार की सुबह काफी देर तक घर का दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई. लोगों ने कई बार दरवाजा खटखटाया. लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली. इसके बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो देखा कि दंपती और नवजात अचेत अवस्था में पड़े हैं. आनन-फानन में तीनों को कतरास पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी से स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद काशिद अंसारी को मृत घोषित कर दिया. वहीं पत्नी की हालत गंभीर बनी हुई है. नवजात की स्थिति में सुधार बताया जा रहा है. फिलहाल दोनों का अस्पताल में इलाज जारी है. मृतक काशिद के पिता गुलाम अंसारी ने बताया कि उनका बेटा मजदूरी करता था और भंडारीडीह में किराये के मकान में पत्नी के साथ रहता था. काशिद ने अष्टमी कुमारी से प्रेम विवाह किया था. घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है. प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि बंद कमरे में चूल्हा जलने से निकली जहरीली गैस के कारण तीनों बेहोश हुए होंगे. हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और चिकित्सकीय रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी.

दिवाली की खुशियां मातम में बदलीं, कटनी-सिवनी में आग से 12 की मौत; सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में दिवाली की खुशियां दो परिवारों के लिए कभी न भूलने वाले मातम में बदल गईं। कटनी और सिवनी जिले में तीन मंजिला मकानों में लगी भीषण आग ने 12 लोगों की जान ले ली। दोनों हादसों में एक ही परिवार के छह-छह सदस्यों की मौत हुई। कटनी में दो महीने का मासूम भी आग की चपेट में आ गया। हादसों में चार अन्य लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।



कटनी में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

कटनी जिले के बरही कस्बे में दिवाली की रात एक तीन मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। यह मकान पुराण अग्रवाल का था। इमारत के निचले हिस्से में क्रॉकरी की दुकान थी, जबकि ऊपर की दो मंजिलों पर परिवार रहता था। आग सोमवार रात करीब 12 से 12:30 बजे के बीच लगी। आग ने देखते ही देखते पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। परिवार के सदस्यों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। इस हादसे में परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दुकान संचालक पुराण अग्रवाल (77), उनकी पत्नी चंद्रकला (74), बहू पूनम और दो पोतियां आर्या (14) व अन्वी (6) शामिल हैं। परिवार के दो महीने के मासूम की भी जान चली गई। हादसे में दो अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मासूम की मौत मां पूनम की गोद में ही हो गई। इस हृदयविदारक दृश्य ने मौके पर मौजूद लोगों को झकझोर दिया।

सिवनी में भी एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

कटनी के बाद सिवनी जिले में भी आग ने एक परिवार को उजाड़ दिया। छपारा कस्बे के महावीर वार्ड में सोमवार तड़के एक तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। यह मकान सराफा कारोबारी कुंदनलाल सोनी का था। आग लगने के समय घर में कुल 10 लोग मौजूद थे। मृतकों की पहचान कुंदनलाल सोनी (75), उनकी पत्नी राजकुमारी सोनी (65), रितु सोनी (42), स्मृति सोनी (40), सूर्या सोनी (45) और आदित्य सोनी (16) के रूप में हुई है।

दीपावली के बाद बिगड़ी रांची की हवा, धुर्वा में 193 तो दीपाटोली में 191 पहुंचा एक्यूआई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। दीपावली के बाद राजधानी रांची की हवा की गुणवत्ता में गिरावट का रुझान सामने आया है. 9 नवंबर 2026 को उपलब्ध रियल-टाइम आंकड़ों के अनुसार, धुर्वा सेक्टर-2 में एयर क्वालिटी इंडेक्स 193 दर्ज किया गया. वहीं, दीपाटोली में 191, धुमसाटोली और गांधी नगर कॉलोनी में 189 तथा कोकर चौक में 186 अदकरिकॉर्ड किया गया. आंकड़े बताते हैं कि शहर के कई इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ा है.



तीन दिनों में लगातार बढ़ा अदक

उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 7 नवंबर को रांची का अदक 142 से 152 के बीच था. 8 नवंबर को यह बढ़कर 156 से 164 के स्तर पर पहुंच गया. वहीं, 9 नवंबर को अलग-अलग समय और स्थानों पर दर्ज रियल-टाइम रीडिंग 163 से 193 के बीच रही. इससे तीन दिनों के दौरान प्रदूषण बढ़ने का रुझान सामने आया है. रांची की हवा में पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषकों में शामिल है. ये बेहद छोटे कण सांस के साथ फेफड़ों के भीतर तक पहुंच सकते हैं. दीपावली के दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं और महीन कण प्रदूषण बढ़ाने वाले कारकों में शामिल हो सकते हैं. इसके अलावा वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल और मौसम की स्थिति भी वायु गुणवत्ता को प्रभावित करती है. ऐसे में प्रदूषण बढ़ने के लिए केवल आतिशबाजी को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के राष्ट्रीय अदक मानकों के अनुसार, 101 से 200 तक का स्तर मध्यम श्रेणी में आता है. इस स्तर की हवा से अस्थमा और फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों को सांस लेने में परेशानी हो सकती है. बच्चों और बुजुर्गों पर भी इसका असर पड़ सकता है. ऐसे लोगों को लंबे समय तक खुले में शारीरिक मेहनत वाली गतिविधियों से बचना चाहिए.

दिल्ली की हवा हुई जहरीली, एक्यूआई 442 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। दिवाली पर हुई जमकर आतिशबाजी का असर अब देश के कई बड़े शहरों की हवा पर दिखाई देने लगा है. दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, जयपुर और वाराणसी में वायु प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ गया है. राजधानी दिल्ली में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक हैं. यहां कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार पहुंच गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है. वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में दिवाली के बाद प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है. इससे सड़कों और रिहायशी इलाकों में धुएं और धुंध की मोटी परत छा गई है. इससे लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी हो रही है. सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, सुबह के समय राजधानी का औसत एक्यूआई 373 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में है. वहीं, कई इलाकों में वायु गुणवत्ता गंभीर स्तर पर पहुंच गई.

झारखंड की सहिया और आंगनबाड़ी सेविकाओं के परिवारों को राज्य सरकार के तरफ से मिला 15 लाख का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। राज्य की स्वास्थ्य सहिया, आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं के परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य बीमा कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है. इसके तहत पात्र परिवारों को आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से जोड़कर 15 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा देने का प्रस्ताव है. इसके लिए संबंधित कर्मियों को अपना आयुष्मान कार्ड बनवाना होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिल सके.



सहिया और आंगनबाड़ी कर्मियों के परिवारों को मिलेगा स्वास्थ्य बीमा का लाभ

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलता है. वहीं, मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत अतिरिक्त कवरेज जोड़कर कुल 15 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है. इसका उद्देश्य पात्र परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के दौरान आर्थिक परेशानी से बचाना और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना है.

आयुष्मान कार्ड अभियान में शामिल होकर बनवाएं कार्ड

जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने सभी स्वास्थ्य सहिया, आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है. विभाग ने कहा है कि संबंधित कर्मी स्वयं का आयुष्मान कार्ड बनवाएं और पात्रता के अनुसार परिवार के सदस्यों को भी योजना से जोड़ने की प्रक्रिया पूरी करें. कार्ड रहने से अस्पताल में भर्ती होने और निर्धारित उपचार कराने के दौरान कैशलेस सुविधा का लाभ लेने में सहूलियत होगी.

वेबसाइट और मोबाइल ऐप से भी बनवा सकते हैं आयुष्मान कार्ड

आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए लाभार्थी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट beneficiary.nha.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं. इसके अलावा आयुष्मान ऐप डाउनलोड कर भी कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है. ऑनलाइन आवेदन में परेशानी होने पर नजदीकी प्रज्ञा केंद्र (सीएससी) की मदद ली जा सकती है. लाभार्थी कार्ड बनवाने के लिए सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान योजना से संबद्ध अस्पतालों में संपर्क कर सकते हैं.

THE RANCHI RIFLE CLUB (RRC)
(Registered under -Society Registration Act: 21,1860. Government of Jharkhand)
JOIN US TO BECOME A NATIONAL or INTERNATIONAL SHOOTER
Your ambition is our mission...



Our facilities:-
- 10m/ 25m Fully Air Conditioned Hitech indoor shooting range.
- All Types of Air/ Fire weapons are available for practice.
- All types of shooting equipments & accessories for sale available here.
- We teach the civilians how to handle weapons/ safety rules and way of firing.
- Special For School Girls & Boys.
- Above 8 years Girls & Boys May Join us.
- National Level Shooting Coach Facility Available Here.

Justdial
Contact: +91 8002397001, 7050607001
House No. 01, Shanti Nagar, Hatia, Near Hatia Tonko Bridge, P.O- Hatia, P.S.- Jagannathpur, Ranchi - 834003 (Jharkhand)
E-mail: theranchirifleclub@gmail.com | Website: http://www.theranchirifleclub.org



भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव पर जैन मंदिर में उमड़ी श्रद्धा

कलश अभिषेक एवं निर्वाण लाडू अर्पण के साथ मना मोक्ष कल्याणक पर्व

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 भगवान महावीर स्वामी के पावन मोक्ष कल्याणक एवं निर्वाण लाडू महामहोत्सव के अवसर पर 9 नवंबर 2026 को श्री दिगम्बर जैन मंदिर, रामगढ़ में भव्य धार्मिक आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।इस अवसर पर पांडुशिला पर विराजमान भगवान महावीर स्वामी की अष्टधातु प्रतिमा का स्वर्ण कलश से अभिषेक किया गया। इसका पुण्यलाभ श्री महिपाल जी, अशोक जी, सुनील जी एवं संजय जी सेठी परिवार ने प्राप्त किया। वहीं शांतिधारा का पुण्यलाभ श्रीमती अमराव देवी जी गंगवाल, देवेंद्र एवं अंशुल गंगवाल परिवार





तथा समस्त गंगवाल परिवार ने प्राप्त किया। श्री हीरालाल जी, किरण देवी जी, राजेंद्र जी, प्रिया जी एवं दिशा पाटनी परिवार ने भी धार्मिक अनुष्ठानों में पुण्यलाभ प्राप्त किया।मंदिर की वेदी पर विराजमान तीनों बड़ी प्रतिमाओं का कलश से अभिषेक किया गया। इसका पुण्यलाभ श्रीमती अरुणा जी एवं डॉक्टर शरद जी जैन परिवार, श्री मांगीलाल जी, मनोज, अशोक एवं अरुण जी आयुष-पीयूष चूड़ीवाल परिवार तथा श्री राजेंद्र जी, राजेश जी एवं प्रतीक जी चूड़ीवाल परिवार ने प्राप्त किया।भगवान महावीर स्वामी की प्राचीन प्रतिमा के कलश अभिषेक का पुण्यलाभ श्रीमती इंद्रमणि देवी जी चूड़ीवाल परिवार ने प्राप्त किया। वहीं भगवान महावीर स्वामी की बड़ी प्रतिमा पर शांतिधारा का पुण्यलाभ श्री राजेंद्र जी, राजेश जी एवं प्रतीक जी चूड़ीवाल परिवार को प्राप्त हुआ।निर्वाण लाडू महामहोत्सव का पुण्यलाभ श्री दिगम्बर जैन महिला समाज, रामगढ़ ने प्राप्त किया। महिला समाज की ओर से भगवान महावीर स्वामी के चरणों में निर्वाण लाडू अर्पित कर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ निर्वाण महोत्सव मनाया गया।जैन धर्म में भगवान महावीर का निर्वाण दिवस अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण माना जाता है। भगवान महावीर ने समस्त कर्मों का क्षय कर मोक्ष अर्थात सिद्ध अवस्था प्राप्त की थी। उनका जीवन त्याग, तपस्या, संयम, अहिंसा और आत्मकल्याण की प्रेरणा देता है।इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह एवं ह्यजियो और जीने दोह्न के अमर संदेश को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। आज मुनि श्री शुभा नंद जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में समस्त समाज को मंगल आशीर्वाद दिया और भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव पर अपना संदेश दियो समस्त जानकारी समाज के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र चूड़ीवाल ने दी `श्री दिगम्बर जैन मंदिर, रामगढ़ की ओर से सभी पुण्यार्जक परिवारों एवं श्री दिगम्बर जैन महिला समाज के पुण्य की हार्दिक अनुमोदना की गई तथा समस्त जैन समाज को भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक एवं निर्वाण लाडू महामहोत्सव की मंगलमय शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। उपरोक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दी।

कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



इस प्रकार के प्रतियोगिता से बच्चों के हुनर में निखार आता है : अभय कुमार सिन्हा

रामगढ़/गोला। कन्वेंट पब्लिक स्कूल गोला में दीपावली के शुभ अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में काजल कुमारी, रजनी कुमारी, इशिका राय और काव्या कुमारी के ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय के डायरेक्टर अभय कुमार सिन्हा द्वारा मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर डायरेक्टर ने कहा कि प्रकार के प्रतियोगिता के आयोजन से बच्चों के हुनर में निखार आती है। उन्होंने बच्चों को इस प्रकार के प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों और परिजनों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। गोला (बक्शी टोला) स्थित काली मंदिर में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ हुई माँ काली की पुजा अर्चना

पूजनोपरांत हुआ खिचड़ी भोग का वितरण



रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड के बक्शी टोला स्थित काली मंदिर में माँ काली की पुजा धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्तिक अमावस्या के दिन मनाई जाने वाली माँ काली की पुजा का विशेष महत्व है। यह पुजा देर रात्रि को की जाती है।

पिछले छः दशकों से यहाँ हो रही है पुजा

बक्शी टोला स्थित इस मंदिर में पिछले छः दशकों से पुजा हो रही है। इस मंदिर की स्थापना साठ के दशक में स्व. रिखेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ रिखु बाबू (सेवानिवृत्त पुलिस इंस्पेक्टर) के द्वारा की गई थी। कुछ पारिवारिक मन्नत के कारण उन्होंने इस मंदिर की स्थापना की थी। कुछ वर्ष पूर्व सभी के सहयोग से मंदिर का जिर्णोद्धार किया गया था।

विद्युत सज्जा से रातभर जग मगमगाता है मंदिर परिसर

काली पुजा के साथ ही साथ रौशनी का पर्व दीपावली के कारण पुरी रात मंदिर परिसर विद्युत सज्जा से जगमगा उठता है तथा रातभर श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है।पुजनोपरान्त खिचड़ी भोग का वितरण किया गया। पुजन कार्य को पुजारी संजय चक्रवर्ती एवं प्रदीप तिवारी द्वारा सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुँवर कुमार बक्शी, संजय बक्शी, शिवानंद पाठक, मदन दास, चितरंजन पोद्दार, सुजीत सिन्हा, परितोष चन्द्र पोद्दार, तापस गुप्ता, जितेंद्र कुमार, धनंजय पोद्दार, असीत पोद्दार, सुभाष पोद्दार, रंजीत पोद्दार सहित कई लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बिजली ठीक करने के दौरान करंट लगने से युवक की मौत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

खूंटी । घर की खराब बिजली ठीक करने के दौरान करंट लगने से युवक मार्शल मुंडू (२३) की मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह मुरहू थाना क्षेत्र की रूमुतकेल पंचायत अंतर्गत सोकोय गांव में हुई। युवक की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक का माहौल है।ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को मार्शल मुंडू के घर की बिजली खराब हो गई थी। बिजली आपूर्ति दुरुस्त करने के लिए वह खुद ही मरम्मत के काम में जुट गया। इसी दौरान अचानक वह बिजली के करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही गिर पड़ा। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण तत्काल उसे लेकर खूंटी सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।बताया जाता है कि मार्शल मुंडू की शादी हो चुकी थी, लेकिन उसकी कोई संतान नहीं थी। महज 23 वर्ष की उम्र में उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद सोकोय गांव में मातम पसरा हुआ है।

रोटेरियन आशीष दास रोटरी क्लब के निर्विरोध अध्यक्ष बने

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़ रोटरी क्लब ऑफ रामगढ़ की बैठक सोमवार को थाना चौक स्थित रोटरी हॉल में चुनाव प्रभारी पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अरुण राय के अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक के दौरान सत्र 2027 28 के अध्यक्ष का चयन किया गया सत्र 2027-28 के अध्यक्ष पद पर रोटेरियन आशीष दास के नाम का प्रस्ताव रोटरी राजेश मोदी एवं समर्थन पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अमरेश गणक ने की तत्पश्चात चुनाव समिति के अध्यक्ष अरुण राय ने सत्र 2027 28 के अध्यक्ष आशीष दास को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया वही



नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन आशीष दास ने अपने उद्योधन में सभी सदस्यों का अभार व्यक्त किया और कहा कि मैं इस सम्मान के लिए सभी का धन्यवाद करता हूं और अस्वस्त करता हूं कि क्लब की पूरी टीम मिलकर समाज सेवा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करूंगा हम रोटरी क्लब आफ रामगढ़ की गरिमा को बनाए रखते हुए शिक्षा स्वास्थ्य पर्यावरण और अन्य सामाजिक क्षेत्र में प्रभावी कार्य करूंगा चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उपस्थित रोटेरियनो ने नव निर्वाचित अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें बधाई दी एवं उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में रोटरी क्लब ऑफ रामगढ़ नए आयाम स्थापित करेंगे आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रभारी अरुण राय पूर्व अध्यक्ष संजीव सिंह संजू पूर्व अध्यक्ष अमरेश गणक वर्तमान अध्यक्ष राजेश मोदी जयप्रकाश सिंह जितेंद्र सिंह पवार सहित कई रोटेरियन उपस्थित थे

गोला में धड़ल्ले से बिक रहे पटाखे, नियम-कानून की अनदेखी पर उठ रहे सवाल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

थाना क्षेत्र से राजरप्पा चौक और डीवीसी चौक तक बिना लाइसेंस पटाखों की बिक्री की ग्रामीणों ने जताई आशंका, राजस्व और पर्यावरण को हो रहा नुकसान

रामगढ़/गोला। गोला थाना क्षेत्र में इन दिनों पटाखों की बिक्री धड़ल्ले से होने की चर्चा है। ग्रामीणों के अनुसार, थाना क्षेत्र के आसपास से लेकर राजरप्पा चौक और डीवीसी चौक तक कई स्थानों पर पटाखों की दुकानें सजी हुई हैं। आरोप है कि कुछ छोटे-छोटे दुकानदार बिना आवश्यक लाइसेंस और अनुमति के पटाखों की बिक्री कर रहे हैं। हालांकि, इसकी वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

लाइसेंस और नियमों का पालन जरूरी

पटाखों की बिक्री के लिए सरकार द्वारा निर्धारित सुरक्षा नियमों और



प्रशासनिक अनुमति का पालन अनिवार्य है। दुकानदारों को निर्धारित मानकों के अनुरूप ही पटाखों का भंडारण और बिक्री करनी होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्षेत्र में संचालित दुकानों के पास वैध लाइसेंस और आवश्यक प्रमाणपत्र हैं या नहीं।

सरकारी राजस्व को नुकसान की आशंका

यदि बिना लाइसेंस और नियमों के विपरीत पटाखों का कारोबार हो रहा है, तो इससे सरकारी राजस्व को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। वहीं, वैध कारोबार करने वाले दुकानदारों के सामने भी असमान प्रतिस्पर्धा की स्थिति पैदा होती है।

पर्यावरण और सुरक्षा भी चिंता का विषय

पटाखों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण बढ़ाता है। ध्वनि प्रदूषण के साथ बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को भी परेशानी होती है। इसके अलावा, असुरक्षित स्थानों पर पटाखों का भंडारण आगजनी और दुर्घटना का कारण बन सकता है।

प्रशासन की भूमिका पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि यदि खुलेआम इस तरह का कारोबार चल रहा है, तो संबंधित विभाग और प्रशासन को इसकी जानकारी क्यों नहीं है? क्या दुकानों की जांच की जा रही है या केवल त्योहारों के दौरान ही नियमों की याद आती है? यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा है, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

बहरहाल, पटाखों की दुकानों के लाइसेंस, भंडारण और बिक्री की जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी। अब देखना यह है कि प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और आवश्यक कार्रवाई करता है या यह कारोबार इसी तरह चलता रहेगा।

राधा गोविन्द हॉस्पिटल में तीन दिवसीय पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। राधा गोविन्द हॉस्पिटल परिसर में 09 नवंबर से 11 नवंबर 2026 तक तीन दिवसीय धार्मिक पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सुंदरकांड पाठ, नवचंडी पाठ एवं आरती सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हो रहे हैं। पूरे परिसर में भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है।पूजन कार्यक्रम में राधा गोविन्द शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्था के चेयरमैन बी. एन. साह, उनकी धर्मपत्नी, फूलमती देवी एवं संस्था की सचिव प्रियंका कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।इस धार्मिक आयोजन का मुख्य उद्देश्य राधा गोविन्द हॉस्पिटल के सफल संचालन, जनकल्याण एवं क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की



मंगलकामना करना है।संस्था के चेयरमैन बी एन साह ने अपने संबोधन में कहा कि माता-पिता के आशीर्वाद एवं ईश्वर की कृपा से राधा गोविन्द हॉस्पिटल की इस नई पहल का शुभारंभ हो रहा है। हमारा संकल्प है कि यह संस्थान चिकित्सा सेवा, मानवता और जनकल्याण के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करे।कार्यक्रम का शुभ उद्घाटन 11 नवंबर 2026 को गणमान्य अतिथियों के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा।इस अवसर पर राधा गोविन्द शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्था परिवार के सभी सदस्य, शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गैर-व्यावसायिक सरकारी वाहनों को थर्ड पार्टी बीमा से छूट, पीआईएल उच्च न्यायालय से निष्पादित



रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने सरकारी वाहनों का तृतीय-पक्ष (थर्ड पार्टी) बीमा अनिवार्य कराने की मांग वाली जनहित याचिका को निष्पादित कर दिया।उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति मनोज प्रसाद की खंडपीठ ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 146(2) को देखते हुए ऐसा कोई निर्देश देना उचित नहीं होगा।बोकारो के चास निवासी रवि कुमार वर्मा ने याचिका में आरोप लगाया था कि हजारों सरकारी वाहन बिना नंबर प्लेट या बिना बीमा के सड़कों पर चल रहे हैं और दुर्घटनाओं में नागरिकों की जान जा रही है। उन्होंने मांग की थी कि सरकार बताए कि सभी सरकारी वाहनों का निजी वाहनों की तरह बीमा कब कराया जाएगा। बीमा होने तक सरकारी वाहनों के सड़क पर चलने पर रोक लगे, दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी तय की जाए।परिवहन विभाग के अवर सचिव संजय कुमार सिन्हा ने 6 जनवरी 2021 को शपथपत्र दाखिल कर किसी भी सरकारी वाहन के बिना नंबर प्लेट चलने के आरोप से इनकार किया। सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम की धारा 146(2) का हवाला दिया, जिसके अनुसार केंद्र या राज्य सरकार के वे वाहन, जो किसी व्यावसायिक उद्यम से असंबद्ध सरकारी कार्यों में इस्तेमाल होते हैं, तृतीय-पक्ष बीमा की अनिवार्यता से मुक्त हैं।खंडपीठ ने कहा कि धारा 146(1) के तहत बीमा अनिवार्य है, लेकिन धारा 146(2) सरकारी वाहनों को इससे छूट देती है। इसलिए सभी सरकारी वाहनों का बीमा सुनिश्चित करने के लिए परमादेश (मैंडमस) या कोई अन्य निर्देश जारी करना उचित नहीं होगा। शपथपत्र के कथनों को स्वीकार करते हुए अदालत ने याचिका निष्पादित कर दी।

कैथा में क्रिकेट महासंग्राम का समापन: तेलियातु ने रोमांचक मुकाबले में मायल को 2 रनों से हराया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

खेल का मैदान जीवन में अनुशासन और संघर्ष सिखाता है:- डॉ. जयराम कुमार महतो

रामगढ़। सोहराय पर्व के पावन अवसर पर रामगढ़ जिले के कैथा में आयोजित क्रिकेट महासंग्राम टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें तेलियातु की टीम ने मायल को मात्र 2 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। शानदार प्रदर्शन के लिए आदित्य उर्फ 'खोखा' को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। इस भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) के सुप्रीमो सह डुमरी विधायक डॉ. जयराम कुमार महतो और विशिष्ट अतिथि के रूप में रामगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशीपानेश्वर





कुमार उपस्थित रहे।खेल का मैदान सिखाता है अनुशासन और संघर्ष: डॉ. जयराम महतो

मुख्य अतिथि डॉ. जयराम कुमार महतो ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि खेल का मैदान जीवन में अनुशासन, संघर्ष और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने ग्रामीण युवाओं को खेलकूद में सक्रिय रहने पर जोर देते हुए कहा कि इससे शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होने के साथ-साथ मानसिक तनाव भी दूर होता है। विशिष्ट अतिथि पानेश्वर कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ युवाओं में आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं।

26 अक्टूबर को हुआ था शुभारंभ

गौरलतब है कि इस टूनार्मेंट का शुभारंभ 26 अक्टूबर को हुआ था। फाइनल मुकाबले के दौरान JLKM के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी, आयोजन समिति के सदस्य और हजारों की संख्या में खेलप्रेमी ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाया।

रांची पुलिस ने चोरी की दो वारदातों का किया खुलासा, पांच गिरफ्तार



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। सदर थाना क्षेत्र में हुई चोरी की दो अलग-अलग वारदातों का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस सिलसिले में कुल पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान करन कुमार वर्मा, रोहन मेवा, जोय तिर्की, रंजीत कुमार बेदिया और सन्नी करमाली के रूप में हुई है। हाल ही में सदर थाना क्षेत्र में चोरी की दो बड़ी घटनाएं सामने आई थीं। इन मामलों को लेकर पीड़ितों ने एफआईआर दर्ज कराई थी।पहला मामला बीआईटी मेसरा ओपी क्षेत्र का है, जहां चोरों ने लोहे के दो दरवाजे और खिड़की की ग्रिल चोरी कर ली।वहीं दूसरे मामले में चोरों ने एल्युमिनियम के तार, इनवर्टर मशीन, बैटरी, मोटर पंप, सिलाई मशीन और वेल्डिंग मशीन समेत करीब 2 लाख 10 हजार रुपये मूल्य की संपत्तियों पर हाथ साफ कर दिया था।चोरी की इन घटनाओं के बाद पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार और अनुसंधान टीम ने त्वरित कार्रवाई की। तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर इन पांचों आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर चोरी किए गए सामान की बरामदगी और उनके अन्य आपराधिक इतिहास का पता लगाने में जुटी है।

मोटर पार्ट्स की दुकान में लगी आग



पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के किरीबुरू मेन मार्केट में सोमवार शाम शंकर गिरी की मोटर पार्ट्स, गैरेज, लुब्रिकेंट और टायर की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई और आसपास की दुकानों के भी इसकी चपेट में आने का खतरा पैदा हो गया। देखते ही देखते दुकान में रखे टायर, लुब्रिकेंट, मोटर पार्ट्स सहित अन्य सामान धू-धूकर जलने लगे।आग की लपटें तेज होने के कारण स्थानीय दुकानदारों और लोगों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलने पर सेल प्रबंधन की ओर से पानी का टैंकर घटनास्थल पर भेजा गया। इसके बाद स्थानीय लोगों और दुकानदारों के सामूहिक प्रयास से आग पर देर शाम तक लगभग काबू पा लिया गया। इससे आसपास की अन्य दुकानों को आग से बचाने में सफलता मिली।आग बुझाने के दौरान दुकान मालिक के बेटे विशाल गिरी के दोनों हाथ झुलसने की सूचना है। उनकी चोट की गंभीरता और उपचार की विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना की सूचना पर किरीबुरू थाना प्रभारी रोहित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित कराया। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। शॉर्ट सर्किट या अन्य वजह की आशंका जताई जा रही है। नुकसान का आकलन बाद में होगा।

राजधानी में 74 छठ घाट हुए चिह्नित, 50 से अधिक कृत्रिम तालाबों में भी होगा अर्घ्य, तैयारी में जुटा रांची नगर निगम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।





रांची। दीपावली संपन्न होने के साथ ही लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियां शुरू हो गई हैं. चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में छठव्रतियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी रांची नगर निगम की है. शहर के विभिन्न छठ घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा, रोशनी और पहुंच पथ को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है. रांची नगर निगम ने इस साल 74 छठ घाटों को चिह्नित किया है. इन घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है. नगर निगम ने तैयारियों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने के लिए शहर को आठ जोन में बांटा है, ताकि सभी क्षेत्रों में काम की निगरानी की जा सके.

50 से अधिक कृत्रिम घाट

नगर निगम क्षेत्र में प्राकृतिक तालाबों के अलावा दो बड़े जलाशयों और अन्य प्राकृतिक जलस्रोतों पर छठ पूजा की व्यवस्था की जा रही है. वहीं, घनी आबादी वाले इलाकों में रहने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए 50 से अधिक कृत्रिम छठ तालाब भी तैयार किए गए हैं. इससे उन लोगों को अपने घरों के आसपास ही अर्घ्य देने की सुविधा मिलेगी, जिन्हें प्राकृतिक तालाबों या नदी घाटों तक पहुंचने में परेशानी होती है. स्वर्णरेखा और जुमार नदी के घाटों पर भी छठ पूजा को लेकर जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं. प्राकृतिक और कृत्रिम दोनों तरह के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है.

तालाबों की सफाई और गाद निकालने का काम

छठ घाटों की तैयारियों में सबसे अधिक जोर तालाबों की सफाई पर है. विभिन्न जलाशयों से जलकुंभी और गाद हटाने के लिए सफाई अभियान चलाया जा रहा है. इसके लिए जेसीबी मशीनों के साथ सफाई कर्मियों को लगाया गया है. घाटों के आसपास जमा कचरे को हटाने और पूजा के अनुकूल वातावरण तैयार करने का काम किया जा रहा है. पानी की स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं. नगर निगम की कोशिश है कि अर्घ्य के दौरान व्रतियों को गंदगी और अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़े. छठ घाटों पर सुरक्षा को लेकर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है. जिन तालाबों में पानी अधिक गहरा है, वहां खतरनाक स्थानों को चिह्नित कर बैरिकेडिंग की जा रही है. घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों को दुरुस्त करने के लिए स्टोन डस्ट बिछाने और समतलीकरण का काम चल रहा है, ताकि व्रतियों को आने-जाने में परेशानी न हो. इसके अलावा प्रमुख घाटों पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, पर्याप्त रोशनी और पेयजल की व्यवस्था की जा रही है. शाम के अर्घ्य और अगले दिन सुबह के अर्घ्य के दौरान घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था रखने की तैयारी है.

मेयर और नगर आयुक्त कर रहे निरीक्षण

छठ की तैयारियों को लेकर महापौर रोशनी खलखो और नगर आयुक्त सुशांत गौरव विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर रहे हैं। तेतर टोली तालाब, जेल तालाब, चडरी तालाब और अरगोड़ा तालाब सहित अन्य घाटों का दौरा कर वहां चल रहे कार्यों की जानकारी ली जा रही है. अधिकारियों को सफाई, सुरक्षा और अन्य जरूरी सुविधाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया जा रहा है. नगर निगम ने सभी संबंधित जोन और कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा है. अब आने वाले दिनों में तैयारियों को और तेज किया जाएगा, ताकि छठ महापर्व के दौरान शहर के सभी चिह्नित घाटों पर श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल मिल सके.

संक्षिप्त खबर

निशा भगत की मौत मामले में सीबीआई जांच हो : सुदेश महतो



रांची/गुमला। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो सोमवार को गुमला जिले के चैनपुर प्रखंड स्थित दिवंगत आदिवासी महिला नेत्री निशा भगत के पैतृक गांव उरु बारुडीह पहुंचे. उन्होंने निशा भगत के शोकाकुल पिता एवं झारखंड आंदोलनकारी हांदू भगत सहित अन्य परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की. इस दौरान सुदेश महतो ने कहा कि निशा भगत की आत्महत्या किए जाने की घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया है. यह सामान्य घटना नहीं है. पूरे घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए इसकी निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आए और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय हो सके. उनके साथ आजसू के केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी और मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत भी मौजूद थे. उन्होंने पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस घटना ने सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है. राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है. सुदेश महतो ने कहा कि आत्महत्या से पहले निशा भगत का फोन आने के बावजूद संबंधित थाना प्रभारी ने समय रहते सक्रियता नहीं दिखाई. यह बेहद गंभीर कर्तव्यहीनता का मामला है. इससे पुलिस-प्रशासन की संवेदनशीलता और जवाबदेही पर सवाल खड़े होते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार की ओर से इस घटना पर संवेदना तक व्यक्त नहीं की गई. उन्होंने कहा कि निशा भगत की मौत की सीबीआई जांच कराई जाए. घटना से जुड़े सभी तथ्यों को सार्वजनिक किया जाए. उन्होंने कहा है कि जांच में जिनकी भूमिका या लापरवाही सामने आए, उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई हो.मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव गोपीनाथ सिंह, गुमला जिला अध्यक्ष दिलीप नाथ साहू, विज्ञान सिंह सहित पार्टी के कई पदाधिकारी, ग्रामीण उपस्थित थे.

मिड-डे मील का भुगतान अब सीधे वेंडरों के खाते में, विभाग की नई व्यवस्था से बदलेगा सिस्टम



रांची। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने आरोप लगाया है कि पिछले सात महीने से स्कूलों को मध्याह्न भोजन की राशि नहीं मिली है. इसके कारण हेडमास्टर अपनी जेब से पैसे खर्च कर बच्चों को भोजन कराने को मजबूर हैं. वहीं जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) बादल राज ने विभाग की ओर से की जा रही नई भुगतान व्यवस्था की जानकारी दी है. इसके तहत अब मध्याह्न भोजन की सामग्री का भुगतान शिक्षकों के बजाय सीधे पंजीकृत वेंडरों के बैंक खातों में करने की व्यवस्था तैयार की जा रही है. अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, झारखंड प्रदेश के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कई आरोप लगाए हैं. नई व्यवस्था का उद्देश्य शिक्षकों को आर्थिक और गैर-शैक्षणिक जिम्मेदारियों से मुक्त करना है. इसके लिए भोजन सामग्री की आपूर्ति करने वाले दुकानदारों और वेंडरों का पंजीकरण किया जाएगा. सामग्री की आपूर्ति के बाद उनके बिलों का सत्यापन पहले प्रखंड और फिर जिला स्तर पर होगा. दोनों स्तरों से स्वीकृति मिलने के बाद राशि सीधे संबंधित वेंडर के बैंक खाते में भेजी जाएगी. पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की तैयारी है, ताकि भुगतान का रिकॉर्ड ऑनलाइन रहे और पारदर्शिता बनी रहे.

तमाड़ में दीपावली की रात बवाल, युवक की चाकू से हत्या के बाद गांव में तनाव



तमाड़। दीपावली की रात खुशियां मातम में बदल गईं, जब तमाड़ थाना इलाके के रंगामाटी में एक युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान विजयगिरि गोमियाकोचा के रहने वाले कांग्रेस महतो (27) के रूप में हुई है। रात को कांग्रेस महतो अपने कुछ परिजनों के साथ रंगामाटी में शराब दुकान से थोड़ी दूर सड़क के किनारे खड़ा था। उसी वक्त वहां से एक कार गुजरी। सड़क पर लोग खड़े थे, इसलिए कार वाले ने हॉर्न बजाकर रास्ता मांगा। बस, इसी बात पर दोनों तरफ से तू-तू मैं-मैं शुरू हो गई। देखते ही देखते बात हाथापाई तक पहुंच गई। कार में बैठे 5-6 लोगों में से किसी ने धारदार हथियार से कांग्रेस पर वार कर दिया। वार इतना गंभीर था कि वह वहीं गिर पड़ा। परिजन उसे लेकर अस्पताल भागे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कांग्रेस की मौत से उसका परिवार टूट गया है। बताया जा रहा है कि उसकी शादी अभी छह महीने पहले ही हुई थी। घर में बूढ़ी मां और नई नवेली पत्नी है। कमाने वाला वही अकेला था। घटना के बाद तमाड़ थाना प्रभारी दुलाल कुमार महतो टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कुछ लोगों को उठाया है और उनसे पूछताछ चल रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

जेल तालाब में 25 हजार श्रद्धालु करेंगे छठ, करमटोली में सजेगा सोहराय जतरा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। छठ महापर्व को लेकर राजधानी के जेल तालाब और करमटोली, समेत 73 तालाबों व जलाशयों में तैयारियां तेज हो गई हैं. जेल मोड़ स्थित जेल तालाब में इस बार 20 से 25 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है. वहीं, करमटोली में छठ पूजा के साथ सोहराय जतरा का आयोजन आकर्षण का केंद्र रहेगा. जेल तालाब छठ महापर्व पूजा समिति की ओर से व्रतियों की सुविधा के लिए 12 चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे. साथ ही दो मेडिकल टीमें तैनात रहेंगी. आयोजन में समिति के करीब 200 सदस्य जिम्मेदारी संभालेंगे. घाट को फूल-मालाओं और आकर्षक लाइटिंग से सजाया जाएगा. जेल चौक से टेकर स्टैंड तक विशेष सजावट होगी. श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए छोटे और बड़े दो मुख्य द्वार बनाए जाएंगे. पूजा के लिए 1001 नारियल और सूप की व्यवस्था भी की गई है.

जेल तालाब में छठ के अवसर पर विशेष गंगा आरती का आयोजन होगा. इसके लिए बनारस से आचार्य बुलाए जाएंगे. 24 सदस्यीय टीम आरती में शामिल होगी. कोकर, मोरहाबादी, रातू रोड, कर्बला, चर्च रोड और बरियातू से श्रद्धालु पहुंचेंगे. समिति सफाईकर्मियों को चुनरी और प्रसाद देकर सम्मानित भी करेगी. समिति के अध्यक्ष रोशन वर्मा, सचिव सुजीत कुमार, महासचिव नीरज वर्मा और कोषाध्यक्ष राहुल वर्मा समेत अन्य सदस्य तैयारी में जुटे हैं. यंग हीरानागपुर करमटोली छठ पूजा एवं सोहराय जतरा समिति की ओर से तीन घाटों पर व्यवस्था की जाती है. यहां करीब 500 श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है. तीन मुख्य द्वार बनाए जाएंगे. श्रद्धालुओं के लिए नारियल, दूध और फल की व्यवस्था रहेगी. करीब 51 किलो दूध का वितरण किया जाएगा. व्यवस्था संभालने के लिए 35 वालंटियर और पांच तैराक तैनात रहेंगे. छठ के दूसरे दिन सोहराय जतरा का आयोजन होगा. इसमें नागपुरी कलाकार पवन पंकज प्रस्तुति देंगे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोशनी खलखो शामिल होंगी. छठ पूजा समिति के अध्यक्ष रमण वर्मा और सोहराय जतरा समिति के अध्यक्ष कृष्णा मुंडा हैं. वार्ड-19 में होने वाले इस आयोजन को लेकर समिति के सदस्य तैयारियों में जुटे हैं.

टेंट में अंबा प्रसाद ने परिवारजनों के साथ की दीवाली की रात लक्ष्मी-गणेश की पूजा, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व विधायक अंबा प्रसाद से अपने सरकारी आवास खाली किये जाने का गांधीवादी तरीके विरोध जारी है. ल्एड के आवास संख्या-44 को शनिवार 7 नवंबर को प्रशासन द्वारा खाली करा लिए जाने के बाद कांग्रेस नेता अंबा प्रसाद शनिवार की रात से ही ऋ44 के बाहर टेंट लगाकर सरकार और प्रशासन के इस कार्रवाई का विरोध कर रही हैं. रविवार की रात कांग्रेस नेता ने अपने खाली कराए गए सरकारी आवास के बाहर ही अपने परिजनों और समर्थकों के साथ विधिवत पूजा अर्चना की. साथ ही भगवान लक्ष्मी गणेश से सबको सद्बुद्धि आये, इसके लिए प्रार्थना की. उन्होंने कहा कि आवास कोई बड़ा मुद्दा नहीं है. वह कहीं भी रह लेगी. लेकिन बात मान सम्मान से जुड़ी है. क्योंकि उनका आवास खाली कराने का जो तरीका अपनाया गया वह ठीक नहीं था.

अंबा प्रसाद ने कहा कि इस तरह का जो प्रक्रिया हमारे साथ की गई है, यह कोई नया नहीं है. पहले भी आप देखे होंगे कि हमारे बड़कागांव के घर को बुलडोज कर दिया गया, सौ-सौ पुलिस गाड़ी भेज कर हमारी मां जो खुद विधायक रह चुकी हैं, उनको भी अपमान किया गया. जो कोर्ट में केस चल रहा था, उसमें कोर्ट में राहत मिला, मुआवजा मिला जिसको हमने फ्रेश क्लेम किया है. अंबा प्रसाद ने कहा कि हम और हमारा परिवार जनहित के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं. लेकिन अब जब महिला मुख्यधारा से जुड़ के आगे बढ़ती है तो उसको बहुत सारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है. क्योंकि महिलाओं के लिए राजनीति आसान नहीं होता है. कई सारी महिलाएं हताश और निराश हो जाती हैं. हार मान लेती हैं, छोड़ देती हैं. लेकिन मैं निशा भगत जैसी हार नहीं मानने वाली हूं. अंबा प्रसाद ने कहा कि जब तक मेरे सांस चलते रहेंगे, तब तक मैं झारखंड या पूरे देश में महिलाओं को हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहूंगी. अंबा प्रसाद ने कहा कि दीवाली जैसे त्योहार से एकदिन पहले जिस तरीके से उनकी अनुपस्थिति में सरकारी आवास खाली कराया गया, वह ठीक नहीं है. हम ऐसा उम्मीद नहीं किए थे. जब हम विपरीत परिस्थिति में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ खड़े रहे हैं, जब वो जेल गए थे, उनके परिवार के साथ पूरी तरह से हमलोग समर्पित थे.

रांची सदर अस्पताल में 9.90 करोड़ की लागत से लगेगा कैथ लैब

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। रांची सदर अस्पताल में अब 9.90 करोड़ रुपये की लागत पर कैथ लैब लगेगा. सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 8 करोड़ रुपये की लागत पर कैथ लगाने की योजना स्वीकृत की थी. हालांकि टेंडर में सबसे कम रेट 9.90 करोड़ रुपये पाया गया है. विचार विमर्श के बाद सरकार ने बढ़े हुए दर पर कैथ लैब लगाने पर अपनी सहमति दे दी है. राज्य सरकार ने रांची सदर अस्पताल में हृदय रोग की जांच के लिए कैथ लैब लगाने का फैसला किया था. इसके तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कैथ लैब योजना को स्वीकृति दी गयी थी. फरवरी 2025 में इस योजना के तहत कैथ लैब के निर्माण के लिए 7 करोड़, मशीन व उपकरण की खरीद के लिए 60 लाख और मानव संसाधन के लिए 40 लाख रुपये की स्वीकृति दी गयी थी. लेकिन सरकार ने इस योजना के लिए 7 करोड़ रुपये ही आवंटित किया. कैथ लैब लगाने के लिए ई-टेंडर प्रकाशित किया गया. इसमें 9.90 करोड़ रुपये की लगात पर कैथ लैब लगाने की योजना को क्रियान्वित करने का प्रस्ताव मिला. सरकार ने विचार विमर्श के बाद योजना की लागत में हुई वृद्धि पर अपनी स्वीकृति दे दी है. इससे अब रांची सदर अस्पताल में जल्द कैथ लैब स्थापित किये जाने की उम्मीद है.

रांची के हर वार्ड में बनेंगे पांच शौचालय, जरूरतमंद कर सकेंगे आवेदन, 53 वार्डों में 265 निर्माण का लक्ष्य, प्रति शौचालय मिलेंगे 30 हजार रुपये

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। शहर को स्वच्छ बनाने के साथ हर परिवार को शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रांची नगर निगम ने नई योजना तैयार की है. इसके तहत नगर निगम के सभी 53 वार्डों में पांच-पांच व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा. यानी पहले चरण में शहर में कुल 265 परिवारों को इस योजना का लाभ मिलेगा. जिन घरों में अब तक शौचालय की सुविधा नहीं है, वे इसके लिए आवेदन कर सकेंगे. खास बात यह है कि लाभार्थी अपनी सुविधा के अनुसार स्वयं शौचालय का निर्माण करा सकते हैं या नगर निगम से इसका निर्माण करवा सकते हैं.

योजना के लिए नगर विकास विभाग ने प्रति शौचालय 30 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की है. इस हिसाब से सभी 53 वार्डों में प्रस्तावित 265 शौचालयों के निर्माण पर कुल 79 लाख 50 हजार रुपये खर्च होंगे. इसका उद्देश्य ऐसे परिवारों को बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराना है, जो अब तक अपने घर में शौचालय नहीं बनवा पाए हैं. निगम इस योजना के जरिए शहरी क्षेत्र में शौचालय की उपलब्धता को और मजबूत करना चाहता है. योजना का लाभ लेने के लिए सबसे जरूरी शर्त यह है कि आवेदक के घर में पहले से शौचालय की सुविधा नहीं होनी चाहिए. इच्छुक परिवार रांची नगर निगम कार्यालय अथवा अपने संबंधित वार्ड कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं. आवेदन के साथ पहचान पत्र, जमीन से संबंधित दस्तावेज और इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके आवास में पहले से शौचालय उपलब्ध नहीं है. निगम की ओर से प्राप्त आवेदनों की जांच की जाएगी. पात्रता की पुष्टि होने के बाद ही लाभ देने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी.

रांची नगर निगम क्षेत्र को पहले ही खुले में शौच से मुक्त घोषित किया जा चुका है. इसके बावजूद ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें व्यक्तिगत शौचालय उपलब्ध कराना निगम के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके पास अब तक यह सुविधा नहीं है. निगम प्रशासन की योजना है कि स्वीकृत संख्या के आधार पर शुरूआत की जाए और जरूरत के मुताबिक इसका दायरा बढ़ाया जाए. नगर निगम की हेल्थ ऑफिसर डॉ. किरण कुमारी के अनुसार, फिलहाल प्रत्येक वार्ड में पांच शौचालय बनाने की मंजूरी मिली है. आवेदनों की जांच के बाद पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ा जाएगा. उन्होंने बताया कि निगम इस संख्या को बढ़ाने के लिए नगर विकास विभाग को प्रस्ताव भेजने की तैयारी भी कर रहा है.

झारखंड के 66.92 लाख परिवारों को हर महीने मिलेगी एक किलो चना दाल, सरकार ने जारी की निविदा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड के लाखों राशन कार्डधारी परिवारों के लिए चना दाल की आपूर्ति को लेकर खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के निदेशालय ने प्रक्रिया शुरू कर दी है. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए चना दाल की खरीद और आपूर्ति को लेकर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गयी है. इसके माध्यम से अप्रैल 2026 से मार्च 2027 तक की अवधि के लिए आपूर्तिकताओं का चयन किया जायेगा. इस व्यवस्था का लाभ राज्य के करीब 66.92 लाख राशन कार्डधारी परिवारों को मिलना है.

हर राशन कार्ड पर एक किलो चना दाल देने का प्रावधान

सरकारी योजना के तहत पात्र राशन कार्डधारी परिवारों को हर महीने एक किलो चना दाल उपलब्ध कराने का प्रावधान है. इसमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (जेएसएफएसएस) के लाभुक शामिल हैं. प्राथमिकता प्राप्त परिवार (पीएचएच), अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) और हरा राशन कार्डधारी परिवार इस योजना के दायरे में आते हैं. लाभुकों को जन वितरण प्रणाली की दुकानों के माध्यम से निर्धारित रियायती दर पर चना दाल उपलब्ध करायी जाती है. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 5,87,567 परिवार पंजीकृत हैं. इस श्रेणी में 18,54,015 सदस्य शामिल हैं. वहीं, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राज्य में 61,05,156 परिवारों को राशन का लाभ मिलता है. एनएफएसए के अंतर्गत प्राथमिकता प्राप्त परिवारों की संख्या 51,88,089 है, जबकि अंत्योदय अन्न योजना के तहत 9,17,067 परिवार शामिल हैं. इस तरह दोनों योजनाओं को मिलाकर राज्य में करीब 66.92 लाख राशन कार्डधारी परिवार चना दाल वितरण की व्यवस्था के दायरे में आते हैं.

12.82 करोड़ रुपये की ईएमडी जमा करनी होगी

चना दाल की आपूर्ति के लिए जारी निविदा में शामिल होने वाले इच्छुक आपूर्तिकताओं को 12,82,75,200 रुपये की अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) जमा करनी होगी. यह राशि ऑनलाइन माध्यम से झारखंड ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर स्वीकार की जायेगी. आपूर्तिकताओं का चयन ई-टेंडर के बाद ई-रिवर्स ऑक्शन की प्रक्रिया के माध्यम से किया जायेगा. निविदा के अनुसार, आवेदन और दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 23 नवंबर 2026 निर्धारित की गयी है. वहीं, 25 नवंबर को सुबह 11 बजे तकनीकी रूप से प्राप्त बोलियों को खोलने की तारीख तय की गयी है. चयनित आपूर्तिकताओं के साथ वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए दर अनुबंध किया जायेगा.

ठंड के बीच रांची में बारिश का अलर्ट! 10 नवंबर को गरजेंगे बादल, 13 नवंबर तक गिरेगा पारा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड की राजधानी रांची में ठंड ने अब धीरे-धीरे दस्तक देनी शुरू कर दी है. सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट के साथ ठिठुरन महसूस होने लगी है. लोग गर्म कपड़ों का सहारा लेने लगे हैं. इसी बीच मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं. 10 नवंबर को रांची में बारिश होने की संभावना है. मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, इस दिन आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और गरज-चमक के साथ बिजली कड़क सकती है. अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. मौसम के पूर्वानुमान के मुताबिक, मंगलवार 10 नवंबर को रांची में मौसम का मिजाज बदला हुआ रह सकता है. आसमान में बादलों की आवाजाही के बीच गरज-चमक और बिजली कड़कने के आसार हैं. इस दौरान बारिश भी हो सकती है. दिन का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है. ऐसे में लोगों को मौसम में होने वाले बदलाव को देखते हुए सतर्क रहने की जरूरत है.

11 नवंबर को रांची में सुबह के समय कोहरा या धुंध देखने को मिल सकती है. हालांकि, दिन चढ़ने के साथ आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे. इस दिन अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. 12 नवंबर को भी सुबह कोहरा या धुंध रहने की संभावना है. इसके बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा. इस दिन अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रह सकता है. वहीं, 13 नवंबर को सुबह के समय कोहरा या धुंध छायी रह सकती है. दिन में मौसम मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है. इस दिन अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है. न्यूनतम तापमान में गिरावट के कारण सुबह और रात के समय ठंड का एहसास और बढ़ सकता है.

तीनपहाड़ में धूमधाम से मनाई गई दीपावली, दीपों और झालरों से जगमगाए घर-आंगन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ सहित आस-पास के क्षेत्रों में प्रकाश का पर्व दीपावली पूरे उत्साह, उमंग और श्रद्धा के साथ रविवार की रात्रि को मनाया गया। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश की जीत और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक के रूप में हर वर्ष बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार भी पूरे क्षेत्र में दीपावली को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।दीपावली को लेकर कई दिनों से लोगों ने अपने-अपने घरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन और सजावट शुरू कर दी थी। बाजारों में भी पिछले कई दिनों से काफी रौनक थी। लोग नए कपड़े, मिठाई, पूजा सामग्री, दीये, मोमबत्ती, झालर और पटाखे खरीदने में जुटे रहे। शाम होते ही हर गांव, कस्बा और मोहल्ला दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। मिट्टी के दीपों के साथ-साथ बिजली की रंगीन झालरों से घर-आंगन, दुकानें और प्रतिष्ठान जगमगा रहे थे। पूरा क्षेत्र रोशनी में नहाया हुआ नजर आ रहा था। शुभ मुहूर्त पर हर घर एवं प्रतिष्ठानों में धन और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विशेष पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने विधि-विधान के साथ पूजा की, भोग लगाया और अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मंगल कामना की। पूजा के बाद लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी। बच्चों में दीपावली को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

पूजा-अर्चना के बाद बच्चों और युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की। फुलझड़ी, चरखी, अनार और रॉकेट की आवाज से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। देर रात तक आतिशबाजी और खुशियों का दौर चलता रहा, जिससे त्योहार का उत्साह और भी बढ़ गया। लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ पर्व की खुशियां बांटते नजर आए।

वहीं पर्व को लेकर तीनपहाड़ थाना पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में लगातार गश्ती करती रही। पुलिस प्रशासन के द्वारा लोगों से अपील किया जा रहा था कि पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं, आतिशबाजी के दौरान सावधानी बरतें और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। पुलिस की सक्रियता के कारण पूरे क्षेत्र में शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार सम्पन्न हुआ। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

कुल मिलाकर इस बार की दीपावली तीनपहाड़ क्षेत्र में भाईचारे, खुशहाली और उल्लास का संदेश लेकर आई।

टोटो की टक्कर से 69 वर्षीय बुजुर्ग की मौत, अस्पताल पहुंचने से पहले थमी सांसें



बरहरवा-पाकुड़ मुख्य सड़क पर दूलमपुर टीवीएस शोरूम के समीप हुआ हादसा, नया टोला गांव में पसरा मातम

बरहरवा/साहिबगंज। बरहरवा-पाकुड़ मुख्य सड़क पर दूलमपुर स्थित टीवीएस शोरूम के समीप सोमवार को हुए सड़क हादसे में 69 वर्षीय बुजुर्ग की जान चली गई। टोटो की जोरदार टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए बुजुर्ग ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान बरहरवा थाना क्षेत्र के नया टोला गांव निवासी निर्मल कुमार महतो (69), पिता स्वर्गीय महेंद्र महतो के रूप में हुई है। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, निर्मल कुमार महतो दूलमपुर की ओर से बरहरवा आ रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे एक टोटो ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी सांसें थम गईं।

दीपावली पर दीयों और रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाया साहिबगंज, आतिशबाजी के बीच लोगों ने मनाया खुशियों का पर्व

साहिबगंज। दीपों के पावन पर्व दीपावली पर पूरे क्षेत्र में खुशी और उमंग का माहौल रहा। शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों तक लोगों ने पूरे उत्साह के साथ पर्व मनाया। पर्व को लेकर कई दिनों से चल रही तैयारियों के बीच घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को आकर्षक लाइटों और फूलों से सजाया गया था। शाम ढलते ही मिट्टी के दीयों और रंग-बिरंगी झालरों की रोशनी से पूरा इलाका जगमगा उठा। हर तरफ आतिशबाजी और रोशनी की रौनक देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर लोगों ने विधि-विधान से माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर परिवार में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पर्व का सबसे ज्यादा उत्साह बच्चों में देखा गया। स्कूली बच्चों ने स्कूलों और घरों में रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाकर दीप प्रज्वलित किए तथा अनार, फुलझड़ियां और पटाखे जलाए। साथ ही, हवा में गुब्बारे भी उड़ाए। वहीं, महिलाओं ने अपने आंगन और मुख्य द्वार को आकर्षक रंगोलियों और दीयों से सजाकर पर्व की खुशियों को दोगुना कर दिया। देर शाम तक लोग आतिशबाजी करते और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं देते नजर आए।

पलाश बोना गांव के ग्वालपाड़ा में अतिक्रमण की शिकायत की तैयारी, सिंचाई और जलस्रोत प्रभावित होने की जताई आशंका

झारखंड उजाला संवाददाता

सरकारी नाले में मौरंग मिट्टी डालकर भराव का आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश



बरहरवा/साहिबगंज। प्रखंड की पलाश बोना पंचायत अंतर्गत पलाश बोना गांव के ग्वालपाड़ा में सरकारी नाले को मिट्टी से भरने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने कुछ लोगों पर मौरंग मिट्टी डालकर नाले का अस्तित्व समाप्त करने और सरकारी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर गांव में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक, पलाश बोना मौजा के पूर्वी छोर से रेलवे सड़क तक सरकारी नाला स्थित है। लंबे समय से इस नाले का उपयोग आसपास के किसान खेतों की सिंचाई के लिए करते आ रहे हैं। इतना ही नहीं, गांव के लोगों और मवेशियों के लिए भी यह नाला पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोग निजी स्वार्थ के चलते नाले में मौरंग मिट्टी डालकर उसका भराव कर रहे हैं। यदि इस पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई तो नाले का प्राकृतिक जलप्रवाह बाधित हो सकता है। इसका सीधा असर किसानों की खेती और ग्रामीणों की दैनिक जरूरतों पर पड़ने की आशंका है। इस मामले को लेकर ग्रामीण अब एकजुट होकर अंचल अधिकारी, बरहरवा को लिखित शिकायत सौंपने की तैयारी में हैं। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन मौके पर पहुंचकर मामले की जांच करे, सरकारी नाले की विधिवत मापी कराए और यदि अतिक्रमण की पुष्टि होती है तो उसे तत्काल हटाकर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करे। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी जलस्रोतों का संरक्षण बेहद जरूरी है, क्योंकि इन पर आसपास के कई परिवारों और किसानों की निर्भरता है। अब ग्रामीणों की नजर अंचल प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है।

तीनपहाड़ में मां काली की पूजा अर्चना बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ दुर्गा पूजा समिति की ओर से दुर्गा मंदिर में मां काली की प्रतिमा स्थापित कर पूरे विधि विधान के साथ पंडित राजकिशोर पांडे के द्वारा मंत्रों उच्चारण कर मां काली की पूजा अर्चना की गई। वहीं काली पूजा के अवसर पर बभनगामा दुर्गा मंदिर प्रंगण में भी माँ काली की प्रतिमा स्थापित कर बीते रविवार की रात्रि को पुरोहित के द्वारा मंत्रोचारण कर पूजा अर्चना किया गया। पूजा के बाद लोगो को प्रसाद का वितरण किया गया। वही सार्वजनिक काली मंदिर निमगाछी में भी पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना किया गया। वहीं क्षेत्र के सभी काली मंदिरो में माँ काली की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना किया गया। मौके पर सभी जगहों के कमेटी के लोगो ने सहयोग किया। इसके साथ ही बभनगामा में काली पूजा के शुभ अवसर पर हर साल की भांति इस साल भी सोमवार को मेला लगया गया जिसमे सभी लोगों ने मेला का आनंद उठाया। मेले में मिठाई,खिलौना, गुपचुप ,चाट गुब्बारा सहित अन्य दुकाने लगी थी, जिसका छोटे-छोटे बच्चों ने खूब आनंद उठाया।

स्थापना दिवस एवं बिरसा जयंती भव्य रूप से मनाने को लेकर बैठक



माननीय विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा हुए शामिल

साहिबगंज। झारखंड स्थापना दिवस एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती भव्य रूप से मनाने को लेकर रविवार को खड़दंग मैदान में झामुमो प्रखंड कमेटी की बैठक आयोजित की गई.बैठक में मुख्य रूप से माननीय राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा उपस्थित हुए.इस दौरान स्थापना दिवस समारोह को सफल एवं भव्य बनाने को लेकर स्थानीय कमेटी और झामुमो प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया गया.विधायक ने आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा सभी से आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की. उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष झारखंड स्थापना दिवस एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर खड़दंग मैदान में मेला भी लगता है.मेला में प्रखंड एवं अन्य प्रखंडों से लोग आनंद लेने आते हैं.मौके पर आदरणीय विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू ,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली ,केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान , प्रखंड प्रमुख स्टेनशिला सोरेन,सकल हेंब्रम ,जैनुल आब्दीन ,यासीन शेख ,बादल आलम,काजू मल्लिक,हारून रशीद,मुस्तफा शेख ,बबलू सोरेन सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

उधवा में भक्तिमय माहौल में हुआ मां काली की पूजा-अर्चना,श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

झारखंड उजाला संवाददाता



उधवा/साहिबगंज। उधवा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सोमवार को भक्तिमय माहौल में मां काली की पूजा-अर्चना की गई। काली पूजा को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही विभिन्न पूजा पंडालों एवं मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मां काली की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। जानकारी के अनुसार उधवा कचहरी घाट, मारोपुर, मिर्जानगर,खाड़ी टोला, बोतलुटोला, फुदकीपुर, श्रीधर दियारा, मनिहारी टोला, बेगमगंज, राधानगर, अमानत दियारा, चांदशहर, आतापुर एवं केलाबाड़ी सहित प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मां काली की प्रतिमा स्थापित कर पूजा का आयोजन किया गया। पूजा को लेकर मंदिरों एवं आसपास के क्षेत्रों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह से ही श्रद्धालु पूजा की तैयारियों में जुटे रहे। महिला, पुरुष एवं बच्चों ने पूजा स्थलों पर पहुंचकर मां काली के दर्शन किए और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। कई स्थानों पर भक्तों ने परिवार के सदस्यों के साथ पूजा में भाग लिया। मां काली के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे। स्थानीय लोगों के सहयोग से विभिन्न पूजा स्थलों पर धार्मिक आयोजन संपन्न कराए गए। काली पूजा को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कुछ इलाकों में मेला का भी आयोजन किया गया।

साहिबगंज में मुन्ना साह हत्याकांड का खुलासा, दो नामजद आरोपित गिरफ्तार; पिस्टल और 34 गोलियां बरामद

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के पोखरिया स्थित बड़ी काली मंदिर के पास चंदन गिफ्ट हाउस के समीप मुन्ना साह की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पोखरिया निवासी अमित कुमार उर्फ पवन कुमार (44), पिता हीरालाल साह और रूपक कुमार पासवान (43), पिता मनीलाल पासवान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक पिस्टल, 34 जिंदा गोलियां, एक खोखा और मोबाइल फोन बरामद किया है।सोमवार को एसडीपीओ सुशील कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हत्याकांड के उद्भेदन और दोनों आरोपितों की गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 9 नवंबर को आपसी रंजिश में मुन्ना साह को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। मृतक के पुत्र अंशु कुमार साह के आवेदन पर जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 222/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। इसमें दोनों आरोपितों को नामजद किया गया था। वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ ने कहा कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है। कानून से ऊपर कोई नहीं है। मौके पर जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह मौजूद थे। मौके पर छापेमारी दल में नगर प्रभाग के पुलिस निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार दुबे, फुलेश्वर कुमार अकेला, सहायक अवर निरीक्षक बमबम यादव, हेमंत यादव सहित जिरवाबाड़ी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपितों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कॉलेज रोड टमटम स्टैंड काली पूजा पंडाल का बजरंगी प्रसाद यादव ने किया उद्घाटन



जिला एवं राज्य की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए मां काली से की प्रार्थना

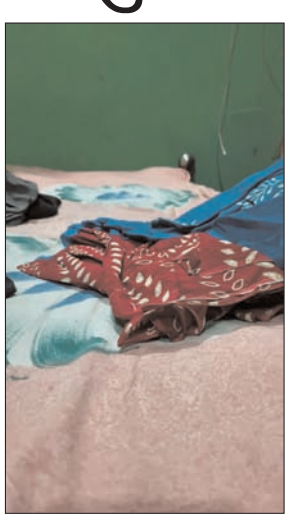
साहिबगंज। शहर के कॉलेज रोड स्थित टमटम स्टैंड में शांति काली पूजा समिति के अवसर पर बनाए गए भव्य पूजा पंडाल का उद्घाटन भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद फीता काटकर किया।इस दौरान पूजा समिति के सदस्यों ने उन्हें चुनरी ओढ़ाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।इस अवसर पर बजरंगी प्रसाद यादव ने मां काली के चरणों में माथा टेककर आशीर्वाद लिया।उन्होंने जिले सहित पूरे झारखंड राज्य की सुख-समृद्धि, खुशहाली,शांति और उन्नति की कामना की।उन्होंने कहा कि मां काली की आराधना शक्ति,साहस और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम,भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं।उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आपसी सौहार्द एवं श्रद्धा के साथ काली पूजा और दीपावली का पर्व मनाने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना यादव,सचिव प्रेमनाथ तिवारी,संतोष स्वर्णकार,नीरज यादव, राजू मिश्रा,रवि अजमानी,अमलेश यादव,विनय आर्या,कृष्णा शर्मा,मयंक यादव सौरभ गुप्ता,विजय मोदी,पप्पू यादव,विकाश यादव,विकाश सिन्हा के आलवा पूजा समिति के कई सदस्य सहित स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राजमहल विधायक ने क्षेत्र के छठ घाटों का किए निरीक्षण, साफ-सफाई व सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश.

झारखंड उजाला संवाददाता



राजमहल/साहिबगंज। राजमहल विधायक आदरणीय मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर छठ घाटों का निरीक्षण कर राजमहल विधानसभा क्षेत्र में तैयारियां तेज कर दी हैं.छठ पूजा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने तथा व्रतियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया.इस दौरान विधायक ने छठ घाटों की स्थिति का जायजा लेते हुए साफ-सफाई, घाटों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, बैरिकेडिंग, पहुंच मार्ग तथा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली अन्य सुविधाओं की जानकारी ली. उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि छठ पूजा से पहले सभी घाटों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए. साथ ही जहां भी आवश्यक हो, वहां घाटों की मरम्मत, रास्तों को दुरुस्त करने और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाए, ताकि व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े.विधायक ने कहा कि छठ महापर्व आस्था और पवित्रता का पर्व है.राजमहल में भी इस पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है. अस्ताचलगामी एवं उदयीमान भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में व्रती और श्रद्धालु पहुंचते हैं.ऐसे में घाटों पर सुरक्षा एवं सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था होना जरूरी है.उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग की जाए तथा घाटों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं.विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुविधाओं का ध्यान रखा जाए.उन्होंने कहा कि छठ पूजा के दौरान नगर क्षेत्र के सभी घाटों पर साफ-सफाई, पेयजल, रोशनी और सुरक्षा की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी.इसके लिए प्रशासन , जनप्रतिनिधि और कर्मी आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें. पर्व से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ छठ महापर्व मना सकें.इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो , विधायक प्रतिनिधि सह नगर पंचायत उपाध्यक्ष मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू? किशन बर्मन, झामुमो नगर अध्यक्ष मो आजाद, जितेश कुमार चौधरी, नगर सचिव स्मित चौरसिया, विजय यादव, राजीव बर्मन सहित नगर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.



सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल



रांची। राजधानी रांची के टाटीसिल्वे थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलवे बस्ती में एक सड़क हादसा सामने आया है। यहां एक तेज रफ्तार अनियंत्रित चार पहिया वाहन ने सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक के पास खड़े एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।घटना की सूचना मिलते ही टाटीसिल्वे थाना पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।टाटीसिल्वे थाना प्रभारी ने बताया कि बाइक सड़क के किनारे खड़ी थी। इसी दौरान एक अनियंत्रित चार चक्का वाहन तेज गति से आया और बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

दीपावली की रात सिंदरी में धूमधाम से हुई मां काली की पूजा, श्रद्धालुओं के बीच बंटा खिचड़ी महाभोग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी/धनबाद। दीपावली के पावन अवसर पर रविवार, 8 नवंबर की रात सिंदरी औद्योगिक नगरी में माँ काली की पूजा (श्यामा पूजा) श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। शहर के जय हिंद मोड़ (आरएमके/4), आदर्श क्लब (एल टाइप), तालतल्ला (जे टाइप), जागृति क्लब रांगामाटी, बीआईटी सिंदरी, अमर क्लब रोडाबांध, मनोहरटांड़, डोमगढ़ सहित विभिन्न स्थानों पर आकर्षक पूजा पंडालों में मां काली की प्रतिमा स्थापित कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। कार्तिक अमावस्या तिथि 8 नवंबर को सुबह 11:29 बजे प्रारंभ होकर 9 नवंबर को दोपहर 12:33 बजे तक रही। इसी अवसर पर विभिन्न पूजा



समितियों ने निर्धारित मुहूर्त में मां काली की पूजा-अर्चना की गई। इस पावन अवसर पर प्रायः सभी पंडाल परिसरों में ढाक, कांसर और शंखनाद की ध्वनि के बीच पुरोहितों के साथ पुरुष, महिलाएं और बच्चे भक्ति भाव में थिरकते दिखे। आकर्षक विद्युत सज्जा और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। देर रात तक चले इस उत्सव में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और मां काली की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो एवं भाजपा झारखंड प्रदेश कार्य समिति सदस्य तारा देवी ने विभिन्न पूजा पंडालों का दौरा कर माँ काली के दर्शन किए तथा क्षेत्र की सुख - समृद्धि की कामना की।पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी महाभोग का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे सिंदरी क्षेत्र में रातभर भक्तिमय माहौल बना रहा। पूजा समितियों के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों के सहयोग से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान पूजा स्थलों पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन भी मुस्तैद रहा। वहीं लोगों ने अपने घरों की साफ सफाई कर आकर्षक विद्युत सजावट और दीपों से घरों को रोशन किया। शाम होते ही घरों और प्रतिष्ठानों में दीपों की जगमगाहट देखने को मिली। लोगों ने विधि- विधान के साथ धन की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राँगामाटी क्लीनिक के चिकित्सक डॉ. सी जी साहा ने बताया कि लगभग पांच दशक से भी ज्यादा समय से यहाँ माँ काली की पूजा हो रही है, लेकिन मैं 2004 से लगातार माँ की सेवा कर रहा हूँ और इन्हीं के नाम पर बलियापुर हवाई पट्टी के पास अस्पताल की नीव रखी गई है।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

एनएमएल केरेडारी एवं बादाम कोयला खनन परियोजना में धूमधाम से मना स्थापना दिवस, महिलाओं को मिली सिलाई मशीन, मेधावी बच्चे हुए सम्मानित



केरेडारी: एनएमएल केरेडारी एवं बादाम कोयला खनन परियोजना में एनटीपीसी स्थापना दिवस 2026 हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। पूरा परिसर देशभक्ति, उत्साह और खुशियों से सराबोर हो उठा।कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख श्री आनन्द जी अग्रवाल एवं बादाम कोयला खनन परियोजना के परियोजना प्रमुख श्री वी.सी. दुबे सहित दोनों परियोजनाओं के विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ एनटीपीसी ध्वज फहराने, एनटीपीसी गीत एवं केक कटिंग के साथ हुआ। ध्वज फहराते ही पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा।

महिला सशक्तीकरण की मिसाल -इस अवसर पर महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने हेतु डुमरी की महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गईं। महिलाओं के चेहरों पर आत्मनिर्भरता की चमक साफ दिख रही थी।

मेधावी बच्चों का सम्मान -उत्क्रमित मध्य विद्यालय, डुमरी के पाँच मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वहीं उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बसारिया के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। बच्चों की प्रस्तुति पर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। समारोह में हिंदी पखवाड़ा एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के विजेताओं को पुरस्कार तथा शौर्य पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

सामुदायिक भोज के साथ हुआ समापन -अंत में सामुदायिक भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजन ने राष्ट्र निर्माण के साथ सामुदायिक विकास एवं समावेशी प्रगति के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

ग्रामीणों और कर्मचारियों ने कहा – एनटीपीसी सिर्फ बिजली नहीं बनाता, ये गांवों का भविष्य भी बनाता है।

तोरपा में श्रद्धा और भक्ति के साथ हुई मां काली की पूजा-अर्चना



खूंटी। तोरपा के कुम्हार टोली एवं खसुआ टोली स्थित काली मंदिर में रविवार की रात श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मां काली की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर दोनों पूजा स्थलों पर भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने मां काली के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कुम्हार टोली में काली पूजा के अवसर पर आकर्षक पंडाल का निर्माण कर मां काली की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। रविवार की रात विधि-विधान के साथ मां काली की पूजा-अर्चना संपन्न हुई। पूजा से पूर्व कुम्हार टोली की बुजुर्ग महिलाओं एवं काली पूजा समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर पंडाल का उद्घाटन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए मां के दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ। सोमवार को विशेष आरती का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आरती के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल बना हुआ है। मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही से वातावरण भक्तिमय हो गया है।पूर्व विधायक ने लिया आशीर्वाद तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने सोमवार को कुम्हार टोली में निर्मित भव्य पंडाल में मां काली के दर्शन कर क्षेत्र के समृद्धि की कामना की। पंडाल पहुंचने पर पूजा समिति सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

सोहराई हमारी समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपरा का प्रतीक : सुदीप



खूंटी। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदीप गुड़िया सोमवार को कर्रा प्रखंड की उड़ीकेल एवं डेहकेला पंचायत में आयोजित सोहराई पर्व समारोह में शामिल हुए। इस दौरान महिला दीदियों एवं ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया।इस अवसर पर विधायक सुदीप गुड़िया ने क्षेत्रवासियों को सोहराई पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सोहराई पर्व आदिवासी-मूलवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति और परंपराओं का महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह पर्व कृषि, पशुधन और प्रकृति के साथ हमारे गहरे संबंधों को दशार्ता है। साथ ही हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने, पशुधन के संरक्षण और मेहनतकश किसानों के योगदान का सम्मान करने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान यहां की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक रीति-रिवाजों, भाषा और पर्व-त्योहारों से है। हमारी सांस्कृतिक विरासत ही हमारी असली पहचान और धरोहर है। इसे संरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे पर्व समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ आपसी एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।विधायक ने ग्रामीणों से आपसी प्रेम, सद्भावना और एकजुटता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सभी को एक-दूसरे के धर्म, आस्था, संस्कृति और पर्व-त्योहारों का सम्मान करना चाहिए। समाज की वास्तविक ताकत उसकी एकता में निहित है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने में प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है।कार्यक्रम में उड़ीकेल मुखिया छत्री हेमरोम, पंचायत समिति सदस्य पोलुस होरो, झामुमो युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राहुल केशरी, प्रखंड उपाध्यक्ष लछुवा लोहरा, समाजसेवी खुर्शीद आलम, उपमुखिया सुनील धान, ग्राम प्रधान जयराज मुंडा, जयनाथ उरांव, सुकरा उरांव, पंचायत उपाध्यक्ष गंदुर उरांव, वार्ड सदस्य गोरी तोपनो, ग्राम सभा अध्यक्ष जितराम उरांव, संजय यादव, कैलाश महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

छठ घाटों पर गंदगी का अंबार, सफाई में नगर निगम की सुस्ती से श्रद्धालु चिंतित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

शहरपुरा मंदिर के छठ घाट में सत्येंद्र मरांडी की देखरेख में शुरू हुआ सफाई अभियान

सिंदरी/धनबाद। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर श्रद्धालु तैयारियों में जुट गए हैं। चार दिवसीय पर्व की शुरूआत 13 नवंबर को नहाय-खाय से होगी। 14 नवंबर को खरना, 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य और 16 नवंबर को उषा अर्घ्य के साथ महापर्व का समापन होगा।एक ओर घरों में साफ-सफाई और पूजा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर सिंदरी के सात लेक, आईएम टाइप और बीआईटी छठ घाट तालाबों में



गंदगी का अंबार लगा है। कई घाटों पर कचरा और गंदा पानी श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ा सकता है। पर्व में कुछ ही दिन शेष रहने के बावजूद सफाई अभियान की गति धीमी है।

सोमवार को नगर निगम के वार्ड 54-55 के सुपरवाइजर सत्येंद्र मरांडी ने कर्मियों के साथ मंदिर छठ घाट तालाब में सफाई अभियान की शुरूआत की। इससे पहले दुगार्पूजा के दौरान बलियापुर के मुरारी नायक ने आईएम टाइप तालाब, दामोदर घाट और सात लेक तालाब में गंदगी, पानी की गहराई तथा पानी में कीड़े होने की आशंका पर चिंता जताई थी।

श्रद्धालुओं ने नगर निगम प्रशासन से सभी छठ घाटों पर युद्धस्तर पर सफाई, कचरा हटाने, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, जलस्रोतों की स्वच्छता और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सीमित कर्मियों के बजाय अधिक सफाईकर्मियों को लगाकर समय रहते सभी घाटों की सफाई पूरी कराई जाए, ताकि व्रतियों को परेशानी न हो।

राजद ने धूमधाम से मनाया तेजस्वी यादव का जन्मदिन



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची के हरमू रोड स्थित प्रदेश राजद कार्यालय में सोमवार को बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।जन्मदिन के अवसर पार्टी कार्यालय में केक काटा गया और पार्टी के नेता एवं कार्यकताओं ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मौके पर युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव सामाजिक न्याय, समानता, भाईचारे और युवाओं के अधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाते रहे हैं। उनके विचारों और संघर्षों से प्रेरणा लेकर हम सभी युवा संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करने के लिए संकल्पित हैं।उन्होंने कहा कि राजद की विचारधारा गरीबों, पिछड़ों, दलितों, वंचितों, शोषितों और नौजवानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने की है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में इस विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम निरंतर जारी रहेगा। मौके पर पार्टी के पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू, प्रदेश महासचिव विजय राम, कमलेश यादव, मदन यादव सहित पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शहीद क्लब में विधायक चंद्रदेव महतो ने की मां काली की पूजा-अर्चना, आयोजकों ने किया सम्मानित



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी/धनबाद। शहीद क्लब सिंदरी में सोमवार, 9 नवंबर को मां काली की पूजा-अर्चना श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो भी पूजा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान के साथ मां काली की पूजा कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस दौरान शहीद क्लब के सदस्यों एवं आयोजकों ने विधायक का चुनरी ओढ़ाकर और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। पूजा-अर्चना के बाद विधायक ने उपस्थित लोगों से मुलाकात की तथा आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। शहीद क्लब जैसे संगठन सामाजिक समरसता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारी, स्थानीय युवा, बुजुर्ग और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। अंत में आयोजकों ने विधायक के आगमन के प्रति आभार जताया। मौके पर जितेन्द्र शर्मा, अनिल, विजय रजक, पविर मुखी, छोटे मुर्मू, राहुल, राम किशोर राम, राजू बाउरी, गौरव मुर्मू, सिधांत, रोहित सहित दर्जनों कार्यकर्त्ता लोग उपस्थित रहे।

दीवाली से पहले धनबाद के 1.98 लाख लाभुकों को मिला पेंशन का तोहफा, खाते में पहुंचे 41.66 करोड़ रुपये

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



धनबाद । झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना' के तहत धनबाद जिले में माह नवम्बर 2026 के लिए पेंशन राशि के भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा कोषांग ने जिले के कुल 1,98,382 योग्य लाभुकों को कुल 41 करोड़ 66 लाख 28 हजार रुपये (?41,66,28,000) की राशि हस्तांतरित की है। इसमें प्रखण्ड कार्यालय, बाघमारा के 25,131, अंचल कार्यालय, बाघमारा के 5,857, प्रखण्ड कार्यालय, बलियापुर के 14,348, अंचल कार्यालय, बलियापुर के 1,769, प्रखण्ड कार्यालय, धनबाद के 2,725, अंचल कार्यालय, धनबाद के 25,985, प्रखण्ड कार्यालय, एग्यारकुण्ड के? 7,360, अंचल कार्यालय, एग्यारकुण्ड के 4,157, प्रखण्ड कार्यालय, गोविन्दपुर के 32822, अंचल कार्यालय, गोविन्दपुर के 130, अंचल कार्यालय, झरिया के 21,478, प्रखण्ड कार्यालय, कलियासोल के 9,902, प्रखण्ड कार्यालय, निरसा के 10,236, प्रखण्ड कार्यालय, पूर्वी टुण्डी के 3,589, अंचल कार्यालय, पुटकी के 8,665, प्रखण्ड कार्यालय, तोपचाँची के 13,871 तथा प्रखण्ड कार्यालय, टुण्डी के 10,357 सहित कुल 1,98,382 लाभुकों को ?41,66,28,000 की पेंशन राशि का भुगतान किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि सभी पात्र वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, विधवा एवं अन्य सुयोग्य लाभुकों को समय पर पेंशन का लाभ मिले ताकि उन्हें सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा प्राप्त हो सके।

वर्षों पुरानी परंपरा का भव्य निर्वहन, श्री चित्रगुप्त मंदिर छठ तालाब में धूमधाम से मनाई जा रही चित्रगुप्त पूजा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकजुटता के बीच भगवान चित्रगुप्त की आराधना में जुटे चित्रांश समाज के लोग

हजारीबाग। शहर के छठ तालाब स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर में वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी श्री चित्रगुप्त पूजा पूरे हर्षोल्लास, श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाई जा रही है। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। पूजा को लेकर श्रद्धालुओं एवं चित्रांश समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। भगवान चित्रगुप्त, जिन्हें कायस्थ



समाज के आराध्य देव और कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले देवता के रूप में पूजा जाता है, उनकी आराधना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना शुरू हो जाता है। विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। श्रद्धालु भगवान चित्रगुप्त के समक्ष कलम-दवात अर्पित कर सुख, शांति, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। श्री चित्रगुप्त मंदिर छठ तालाब में आयोजित इस पूजा की विशेषता यह है कि यहां वर्षों से समाज के लोग एकजुट होकर इस परंपरा को जीवंत बनाए हुए हैं। पूजा के आयोजन में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हो रहे हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए पूजा प्रभारी अनुपम सिन्हा और समिति के सदस्य लगातार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। मंदिर की व्यवस्था, सजावट, पूजा सामग्री और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष तैयारियां की गई हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की एकता, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी संदेश देता है। वर्षों पुरानी इस परंपरा को इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ाना आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता है।

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र केरेडारी में सादगी व दिव्यता के साथ मनी दीपावली

झारखंड उजाला संवाददाता

आत्म–दीप प्रज्वलित कर मन की स्वच्छता पर दें ध्यान– बीके सरिता दीदी



केरेडारी: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवाकेंद्र केरेडारी पर दीपावली का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। केंद्र परिसर को आकर्षक लाइटिंग, पुष्प और क्राफ्ट सज्जा एवं रंगोलियों से सुसज्जित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी ने दीपावली के आध्यात्मिक और तात्विक मर्म पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सदियों से समाज घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों की बाह्य साफ-सफाई, नए परिधानों और मिष्ठानों के साथ दीप पर्व मनाता आ रहा है। इसके बावजूद आज मानव जीवन से मानसिक शांति, संतोष, धैर्य और सच्चा आनंद विलुप्त होता जा रहा है। यदि पर्व मनाने के बाद भी जीवन तनाव, चिंता और नकारात्मकता से मुक्त नहीं हो पा रहा है, तो हमें पर्व मनाने के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

दीदी ने स्पष्ट किया कि दीपावली केवल मिट्टी के दीयों और बिजली की झालरों तक सीमित नहीं है। आज समाज में काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और प्रतिस्पर्धा जैसी बुराइयों ने मानव चेतना को जकड़ रखा है। जब तक 'मन-मंदिर' की स्वच्छता कर आत्म-दीप प्रज्वलित नहीं किया जाएगा, तब तक जीवन में वास्तविक सुख-समृद्धि और मां लक्ष्मी का सच्चा वास संभव नहीं हो सकता। उन्होंने कमल पुष्प की भांति संसार में रहते हुए भी अनासक्त और पवित्र आचरण अपनाने का आह्वान किया।

दीदी ने वर्तमान सामाजिक परिदृश्य पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि दिवाली पर खुद का दीवाला न निकलने दें। त्योहारों के नाम पर व्यसनों, फिजूलखर्ची और पटाखों के अंधाधुंध उपयोग से न केवल आर्थिक क्षति हो रही है, बल्कि पर्यावरण संतुलन भी बिगड़ रहा है। प्रकृति से बिगड़ते तालमेल का ही परिणाम है कि आज प्राकृतिक आपदाएं और महामारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने सभी से ज्ञान और नैतिक मूल्यों का दीपक जलाकर आंतरिक अंधकार मिटाने तथा 'स्वराज्य' (स्वयं पर नियंत्रण) स्थापित कर एक आदर्श समाज के निर्माण में सहयोग देने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में सभी बीके भाई बहनों और आगंतुकों ने सामूहिक मौन साधना की, आत्म-जागृति का संकल्प लिया तथा एक-दूसरे को आध्यात्मिक दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

लातेहार में दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में दो युवकों की मौत, तीन गंभीर



लातेहार। जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड में सोमवार की देर शाम दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई भीषण भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को लातेहार सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।मृतकों में एक की पहचान दुरुआ निवासी सजल चंद्रवंशी (23) के रूप में हुई है। दूसरे मृतक समेत घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। जानकारी के अनुसार, सोमवार की देर शाम स्टेशन रोड में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद थाना प्रभारी अशोक पासवान के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से घायलों को अस्पताल भिजवाया। सदर अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, तीन अन्य घायलों का उपचार जारी है। थाना प्रभारी अशोक पासवान ने बताया कि दुर्घटना के बाद सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों और घायलों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

विधायक ने की सड़क दुर्घटना में घायल युवकों की मदद, एम्बुलेंस से भेजवाया अस्पताल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



खूंटी। कर्रा प्रखंड के कैंची मोड़ के समीप सोमवार को दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई जोरदार टक्कर में दो युवक घायल हो गए। इसी दौरान क्षेत्र भ्रमण पर निकले तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया की नजर सड़क पर घायल पड़े युवकों पर पड़ी। दुर्घटना को देखते हुए विधायक ने तत्काल अपना वाहन रुकवाया और संवेदना का परिचय देते हुए घायलों की मदद के लिए आगे आए।विधायक ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को चिकित्सक के पास पहुंचाया और उनका प्राथमिक उपचार कराया। इसके बाद एम्बुलेंस की व्यवस्था कर उन्हें बेहतर इलाज के लिए कर्रा अस्पताल भिजवाया। विधायक की इस त्वरित पहल से दुर्घटना के बाद घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी।इस दौरान विधायक ने युवकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि जीवन अनमोल है और इसकी सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा यातायात नियमों का पालन करें। थोड़ी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता के सुख-दुख में साथ खड़ा रहना उनका दायित्व है।

गर्री खुर्द में गूंजा जयकारा: प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से हुई माँ लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित मुख्य अतिथि विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेश्वर कुमार शामिल

झारखंड उजाला संवाददाता



बारियातु/ गर्री खुर्द:- दीपावली के पावन अवसर पर ग्राम गर्री खुर्द एक बार फिर भक्ति और उत्साह से सराबोर हो उठा। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी माँ लक्ष्मी की प्रतिमा विधि-विधान के साथ स्थापित की गई। दिनांक 9 नवंबर 2026, समय 3:00 बजे महुआ चौक, अंबा टोली, ऊपर टोला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेश्वर कुमार जी पहुंचे। उनके पहुंचते ही पूरे गांव में जयकारे गूंज उठे।

जागेश्वर कुमार जी ने कहा - ₹बच्चों को काफी प्रोत्साहित करने वाले कर्मठ युवा नेता का यही संकल्प है, गांव का हर बच्चा आगे बढ़े, हर घर में लक्ष्मी का वास हो। माँ लक्ष्मी की कृपा से गर्री खुर्द का नाम पूरे क्षेत्र में रोशन होगा।₹

उन्होंने माँ लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित कर गांव की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मौके पर रामकेश्वर साव, बैजनाथ शर्मा, नारायण साहू, झनकू मिस्त्री, चमरू राणा, धनेश्वर साव, मनोज कुमार, गांगों साव, संजय कुमार यादव, मीना देवी, गुलाबी देवी, सोनी शर्मा, अनीता देवी, मंजू देवी, किरण देवी एवं गरी खुर्द के सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित थे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान गांव में दीपों की जगमगाहट, फूलों की खुशबू और भक्ति का माहौल छाया रहा। ग्रामीणों ने कहा - इस बार की दीपावली सबसे यादगार रही ।

मां काली के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, विसर्जन 12 नवंबर को



रांची। राजधानी में काली पूजा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। शहर के विभिन्न इलाकों में आकर्षक पूजा पंडालों का निर्माण कर मां काली की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है।पूजा पंडालों में सुबह से देर शाम तक भक्तों की भीड़ देखी गई। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर मां के दर्शन कर रहे हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।पिस्कामोड़ स्थित न्यू फ्रेंड्स क्लब की ओर से इस वर्ष भव्य पंडाल बनाया गया है। क्लब के रूपेश कुमार ने बताया कि मां काली की प्रतिमा का विसर्जन 12 नवंबर को कांके डैम स्थित ओझा मार्केट के पास किया जाएगा।पूजा के दौरान मां को खिचड़ी का भोग अर्पित किया गया। सुबह पुजारी अशोक बाबा ने आरती कराई।वहीं, 11 नवंबर को खीर का भोग और जागरण का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष अभिषेक राय,सचिव रूपेश साहनी, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र रजक, कार्यकारणी अध्यक्ष ऋषिकेश सिंह सहित अन्य शामिल है।मेन रोड स्थित मां मसानेश्वर काली पूजा समिति की ओर से मां काली की प्रतिमा का विसर्जन 11 नवंबर को चडरी तालाब में किया जाएगा।समिति के अध्यक्ष प्रेमप्रतिक भंडारी ने बताया कि इस अवसर पर 551 कन्याओं का पूजन किया जाएगा।इसके साथ ही महाआरती और महाभोग वितरण का आयोजन होगा।आयोजन में अभिषेक गोस्वामी, नितेश वर्मा, सुमित वर्मा, शालिनी सिंह और संजय प्रजापति सहित समिति के अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

केरेडारी एवं बड़कागांव के विभिन्न गांवों में गूंजा माँ काली का जयकारा, विधायक रोशन लाल चौधरी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



केरेडारी / बड़कागांव / खरांटी: केरेडारी एवं बड़कागांव के विभिन्न गांवों में इन दिनों माँ काली की उपासना का भव्य माहौल छाया हुआ है। हर गांव में भक्ति, शक्ति और आस्था की लहर दौड़ रही है। इसी कड़ी में बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत खरांटी में ₹काली पूजा समिति, खरांटी₹ के तत्वावधान में आयोजित माँ काली की पावन उपासना एवं भव्य धार्मिक अनुष्ठान में हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक रोशन लाल चौधरी सम्मिलित हुए। उन्होंने पूर्ण श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ विधिवत दर्शन-पूजन किया तथा जगज्जननी आदिशक्ति माँ काली का दिव्य सान्निध्य एवं मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। विधायक जी ने विधिवत फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और समस्त क्षेत्रवासियों को इस धार्मिक अनुष्ठान की बधाई दी। उनके पहुंचते ही पूरे पंडाल में ₹जय माँ महाकाली ! जय आदिशक्ति!₹ के जयकारे गूंज उठे। इस पावन आध्यात्मिक अवसर पर विधायक जी ने माँ भगवती के श्रीचरणों में केरेडारी एवं बड़कागांव के समस्त क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि, आरोग्यता, शांति, सौहार्द एवं सर्वविध कल्याण की मंगलकामना अर्पित की।

उन्होंने कहा - ₹माँ काली की असीम अनुकंपा समस्त जनमानस पर अविरल बनी रहे, प्रत्येक जीवन सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो। केरेडारी से लेकर बड़कागांव तक, हर गांव में ढोल-नगाड़ों की गूंज, दीपों की जगमगाहट और माँ के जयकारों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। स्थानीय प्रखंड पार्टी के पदाधिकारी गण सैकड़ो महिला पुरुष शामिल थे।

(संशोधित) लातेहार में दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक की मौत, चार गंभीर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



लातेहार। जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड में सोमवार की देर शाम दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई भीषण भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को लातेहार सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक में एक की पहचान दुरुआ निवासी सजल चंद्रवंशी (23) के रूप में हुई है। जबकि एक घायल की पहचान बेंदी गांव निवासी देवनाथ उरांव के रूप में हुई है। अन्य घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार सोमवार की देर शाम स्टेशन रोड में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद थाना प्रभारी अशोक पासवान के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से घायलों को अस्पताल भेजवाया। सदर अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अन्य घायलों का उपचार जारी है। इनमें एक की स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है।

बच्चों संग दीपावली मनाने आशा किरण पहुंचे उपायुक्त, बांटी मिठाई और फुलझड़ियां

पश्चिमी सिंहभूम,। दीपावली के अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने रविवार को आशा किरण मुख बधिर विद्यालय पहुंचकर वहां के बच्चों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। उपायुक्त ने बच्चों से मुलाकात कर उनके साथ समय बिताया और मिठाई, चॉकलेट और फुलझड़ियां भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ नजर आया।विद्यालय परिसर में बच्चों के बीच पहुंचकर उपायुक्त ने उनसे आत्मीयता से बातचीत की और उनकी गतिविधियों को भी देखा। उन्होंने कहा कि दीपावली सिर्फ दीप जलाने का त्योहार नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के साथ प्रेम, अपनत्व और खुशियां बांटने का अवसर है। उन्होंने कहा कि त्योहार की खुशी तभी सार्थक होती है, जब जरूरतमंद और विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी इस उत्सव का हिस्सा बनें।मनीष कुमार ने कहा कि प्रत्येक बच्चे के भीतर प्रतिभा और आगे बढ़ने की क्षमता होती है। उन्हें बेहतर अवसर, प्रोत्साहन और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संवेदनशील रवैया अपनाने के साथ लगातार सहयोग की जरूरत है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और बच्चों की देखभाल में जुटे कर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की मुस्कान ही दीपावली की सबसे सुंदर रोशनी है।

आस्था: हजारीबाग यूथ विंग के छठ पूजा सेवा कार्यक्रम को लेकर कूपन वितरण शुरू, महिलाओं में दिखा खास उत्साह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

महज 11 रुपये में छठ व्रतियों को मिलेंगी 21 प्रकार की पूजन सामग्री, लगातार चौथी बार होगा भव्य आयोजन

छठ महापर्व सेवा और समर्पण के माध्यम से समाज को जोड़ने का प्रतीक है : चंद्र प्रकाश जैन

हर व्रती तक श्रद्धा और सुविधा पहुंचे, यही हमारी सबसे बड़ी कामना है : करण जायसवाल



हजारीबाग: लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर शहर में धार्मिक उत्साह और तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में जिले की सर्वश्रेष्ठ सामाजिक संस्था हजारीबाग यूथ विंग की ओर से छठ व्रतियों की सुविधा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए लगातार चौथी बार भव्य छठ पूजा सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 12 नवंबर को के.बी. सहाय मार्ग स्थित खजांची तालाब के निकट आयोजित होगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 2 बजे तक निरंतर चलेगा। इसके तहत छठ व्रतियों को महज 11 रुपये के कूपन पर सूप, नारियल, शुद्ध घी सहित कुल 21 प्रकार की पूजन सामग्रियां उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम को लेकर सोमवार को बड़ा बाजार स्थित डिश टीवी कार्यालय के समीप कूपन वितरण का शुभारंभ किया गया। कूपन वितरण की जिम्मेवारी संस्था के कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया को सौंपी गई है। कूपन वितरण 10 एवं 11 नवंबर को भी जारी रहेगा। संस्था की ओर से स्पष्ट किया गया है कि कुल 301 कूपन ही निर्धारित किए गए हैं। कूपन का वितरण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जा रहा है। निर्धारित संख्या पूरी होने के बाद कूपन उपलब्ध नहीं होंगे। पूजन सामग्री में सूप, नारियल, शुद्ध घी, सिंदूर, रोली, कपूर, काठ बादाम, कमल गोटा, लौंग, इलायची, बड़ी इलायची, छोहाड़ा, मखाना, रुई-बत्ती, धूपबत्ती, सुपारी, आरता पत्ता, माचिस सहित कुल 21 प्रकार की आवश्यक पूजन सामग्रियां शामिल हैं। संस्था ने यह भी स्पष्ट किया है कि 12 नवंबर को दोपहर 2 बजे तक ही पूजन सामग्री का वितरण किया जाएगा। संस्था का प्रयास है कि आर्थिक रूप से हर वर्ग के छठ व्रतियों को कम राशि में पर्व की आवश्यक सामग्री उपलब्ध हो सके। इस सेवा आयोजन को लेकर शहरवासियों, विशेष रूप से महिलाओं में काफी रुचि और उत्साह देखने को मिल रहा है। कूपन प्राप्त करने के लिए लोगों में खासा उत्साह है। संस्था के सदस्यों के अनुसार, इस बार भी निर्धारित 301 परिवारों तक छठ पूजा की सामग्री पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि छठ महापर्व केवल आस्था और उपासना का पर्व नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता के माध्यम से समाज को जोड़ने का प्रतीक भी है। हजारीबाग यूथ विंग इसी भावना के साथ लगातार समाज के बीच सेवा कार्य करती आ रही है। वहीं अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हर व्रती तक श्रद्धा और सुविधा पहुंचे, यही संस्था की सबसे बड़ी कामना है। इस आयोजन को हजारीबाग की आस्था और सामाजिक एकजुटता का उत्सव बनाने के लिए सभी सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटे हैं। हजारीबाग यूथ विंग का यह आयोजन पिछले चार वर्षों से चली आ रही सेवा परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ ही समाज में सहयोग, समर्पण और धार्मिक सद्भाव की भावना को मजबूत करने का प्रयास है। कूपन वितरण प्रारंभ के दौरान उपाध्यक्ष विकास तिवारी,सचिव रितेश खण्डेलवाल, संस्था के मार्गदर्शक संजय कुमार, कार्यकारणी सदस्य सनी देव सहित कई लोग मौजूद रहें।

उत्तर प्रदेश 2027: सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा



गुंजन सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं की बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होगी?

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला ह्य80 बनाम 20ह्ल के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए।

भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है



क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है।

यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल ह्य80 बनाम 20ह्ल के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फामूर्ला भाजपा के गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है।

भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी-सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है। इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं।

इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है-स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता-विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी। बसपा और कांग्रेस की भूमिका कई सीटों पर ह्यगेम चेंजरह्ल बन सकती है। योगी आदित्यनाथ के सामने 2027 का चुनाव केवल विपक्षी दलों के बनते-बिगड़ते समीकरणों, मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण और समाजवादी पार्टी के बढ़ते प्रभाव की चुनौती नहीं है, बल्कि भाजपा के भीतर संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। ऐसे समय में गृहमंत्री अमित शाह की उत्तर प्रदेश को लेकर सक्रिय रणनीति योगी के लिए सहायक शक्ति बन सकती है। शाह की चुनावी रणनीति का मूल आधार सामाजिक समीकरणों का विस्तार, बूथ स्तर की संगठनात्मक मजबूती और सहयोगी दलों के बीच बेहतर तालमेल रहा है। यदि यह रणनीति योगी की प्रशासनिक छवि और लोकप्रियता के साथ समन्वित होती है तो भाजपा विपक्ष की चुनौती को प्रभावी ढंग से रोक सकती है।

आज का राशिफाल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्रम से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्चे पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

प्रकाश की आकांक्षा का अनूठा उत्सव

संध्या उतरती है। घरों की देहरियों पर दीप जलने लगते हैं। कहीं मिट्टी के छोटे दीयों में तेल की लौ कांपती है, कहीं रंगीन रोशनियां दीवारों पर अपना उत्सवी विस्तार रचती हैं। आकाश में आतिशबाजी के फूल खिलते हैं और कुछ क्षणों के लिए रात अपनी पहचान भूल जाती है। दीपावली का यह दृश्य हर वर्ष लौटता है, फिर भी उसकी प्रतीक्षा पुरानी नहीं पड़ती। शायद मनुष्य के भीतर प्रकाश की एक ऐसी आकांक्षा है, जिसे समय की कोई ऋतु समाप्त नहीं कर सकती। वह बाहर दीप जलाता है, लेकिन भीतर एक प्रश्न जागता रहता है- क्या जीवन में सचमुच कुछ उजाला हुआ?

प्रकाश केवल अंधेरे का प्रतिपक्ष नहीं है। वह देखने की नई संभावना है। अंधेरे में वस्तुएं अपनी सीमाएं खो देती हैं, प्रकाश उन्हें पहचान लौटाता है। दीपावली का आत्मीय अर्थ तब खुलता है, जब मनुष्य बाहरी जगमगाहट से हटकर अपने भीतर देखता है। उत्सव की असली शुरूआत घर के बाहर नहीं, दृष्टि के भीतर होती है। दीपावली की तैयारी घर की साफ-सफाई से आरंभ होती है, लेकिन धूल केवल वस्तुओं पर नहीं जमती। समय की परतें मन पर भी उतरती हैं। प्रकाश पर्व पर घर सजाना अपने संसार को फिर से रचने जैसा है। कोई दरवाजे पर तोरण बांधता है, कोई चौखट पर रंगोली बनाता है, कोई मिट्टी के दीपों को अपने हाथों से रंगता है। फूलों की पंखुड़ियां आंगन में बिखरती हैं, तो लगता है जैसे प्रकृति ने घर के लिए छोटा सा पत्र भेजा हो। रंगोली मिट जाती है, फूल मुरझा जाते हैं, दीप बुझ जाते हैं, फिर भी उनसे उपजी छटा का आनंद मन में बचा रहता है। सौंदर्य का एक रहस्य उसकी क्षणभंगुरता में छिपा है। जो सदा नहीं रहता, वही कभी-कभी सबसे अधिक याद रह जाता है। एक छोटा-सा मिट्टी का दीया प्रकृति, श्रम और ऊर्जा का संसार समेटे रहता है। दीपक अंधेरे को पराजित करने की घोषणा नहीं करता। वह बस अपने हिस्से का प्रकाश देता है। शायद मनुष्य के लिए इससे बड़ी शिक्षा कोई नहीं कि अपनी छोटी-सी सामर्थ्य को व्यर्थ न जाने दे। दीपावली के साथ बाजार का विस्तार होता है। दुकानों की सजावट, नए वस्त्र, मिठाइयां और उपहार उत्सव को दृश्य वैभव देते हैं।

बाजार इच्छाओं को पहचानता है और उन्हें नई वस्तुओं में बदलने की कला जानता है। वह बताता है कि किससे घर सुंदर होगा और कौन-सा उपहार संबंधों में मिठास बढ़ाएगा, पर वस्तु की चमक और जीवन की चमक एक नहीं होती। कोई महंगी वस्तु किसी संबंध की रिक्तता नहीं भर सकती, लेकिन दीपावली पर उपहार देने की परंपरा संबंधों की सुंदर भाषा है। कभी एक पुस्तक, घर में बनी मिठाई या हाथ से लिखा संदेश किसी बड़े उपहार से अधिक आत्मीय हो जाता है। उपहार यह कहने का विनम्र तरीका है कि दूसरा व्यक्ति हमारी स्मृति में उपस्थित है। समय ने परिवारों के रहने और मिलने के ढंग बदल दिए हैं। कई पीढ़ियां अब अलग-अलग नगरों और देशों में बसी हैं। डिजिटल माध्यमों ने दूरियों को छोटा किया है।



मोबाइल की स्क्रीन पर चेहरे दिखाई देते हैं, शुभकामनाएं आती हैं, तस्वीरें साझा होती हैं। तकनीक ने संपर्क सहज बनाया है, लेकिन निकटता का अर्थ केवल एक-दूसरे को देख लेना नहीं है। किसी के पास बैठना, उसकी चुप्पी सुनना और साथ समय बिताना मनुष्य की ऐसी जरूरतें हैं, जिन्हें कोई उपकरण पूरा नहीं कर सकता। स्क्रीन चेहरा दिखा सकती है, उपस्थिति की ऊष्मा नहीं। उत्सव का सामाजिक अर्थ उन घरों की ओर देखने से खुलता है, जहां दीपावली की तैयारी सहज नहीं है। कहीं आर्थिक कठिनाई, कहीं बीमारी या अकेलापन है। किसी दूसरे के अंधेरे से अनजान रहकर अपनी रोशनी पर गर्व करना प्रकाश का कमजोर अर्थ है। किसी घर तक एक दीप पहुंचा देना कभी-कभी हजारों दीप जलाने से अधिक अर्थवान हो जाता है। प्रकृति के साथ हमारा संबंध दीपावली के अर्थ को नया विस्तार देता है।

धुएं से भरी हवा और प्रदूषित परिवेश के बीच यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि उत्सव का आनंद प्रकृति की कीमत पर क्यों हो? परंपरा जीवन के साथ चलती है और समय से संवाद करती है। मिट्टी के दीपों को अपनाना, स्थानीय कारीगरों से वस्तुएं खरीदना तथा अनावश्यक शोर और धुएं से बचना उत्सव की आभा को अधिक संवेदनशील बनाना है। जिस धरती पर मनुष्य अपने उत्सव रचता है, उसकी सांसों का ध्यान रखना भी उत्सव की संस्कृति का हिस्सा है।

दीपावली किसी के लिए घर लौटने की खुशी है, किसी के लिए बचपन की स्मृति, किसी के लिए धार्मिक आस्था और किसी के लिए नए आरंभ का संकेत। इन अलग-अलग अनुभूतियों के बीच एक साझा आकांक्षा है: जीवन में कुछ प्रकाशमय हो, संबंधों में सहजता लौटे और भविष्य के प्रति विश्वास बना रहे। उत्सव की सुंदरता उसकी इसी बहुलता में है। एक ही दीप की लौ अलग-अलग आंखों में अलग अर्थ लेकर उतरती है। क्या दीवाली पर हमने किसी पुराने संबंध को फिर से छुआ? किसी के श्रम को पहचाना? किसी अकेले व्यक्ति के लिए समय निकाला? दीपावली का स्थाई अर्थ शायद इसी बची हुई रोशनी में है। दीपक का प्रकाश सीमित होता है, लेकिन उससे जन्मी दृष्टि असीम हो सकती है। प्रकाश का सबसे सुंदर रूप वह नहीं, जो आंखों को चकाचौंध कर दे, बल्कि वह है जिसमें मनुष्य दूसरे मनुष्य को देख-समझ सके।

राजनय की मजबूती

भारत और ब्रिटेन के बीच जो नजदीकी देखी गई है, उसे आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का भारत दौरा दर्ज करने लायक मोड़ साबित हो सकता है। ब्रिटेन आर्थिक संबंधों को बढ़ाना चाहता है, साथ ही, रक्षा मामलों में भी भारत के साथ सहयोग बेहतर करने को लालायित है। हो सकता है, ब्रिटेन की यह कोशिश इसलिए भी हो कि रूस पर भारत की निर्भरता कम हो जाए, लेकिन तब भी भारत जिस तरह से अपना हित देखते हुए मजबूती से आगे बढ़ रहा है, वह मानीखेज है। खास कामयाबी यह कि ब्रिटेन भारत को एक ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस जारी करेगा, जिससे रक्षा खरीद आपूर्ति में कम समय लगेगा। इसके अलावा ब्रिटेन लड़ाकू जेट बनाने में भी भारत की मदद करेगा। हिंद महासागर में भारत की ताकत बढ़ाने की दिशा में भी वह मदद करना चाहता है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्वास्थ्य क्षेत्र में ब्रिटेन ने भारत में निवेश बढ़ाने की बात भी की है। इतना ही नहीं, दोनों देश इसी साल के अंत तक एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता भी करने वाले हैं। इस तरह का समझौता पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन अगर ब्रिटेन इस दिशा में अब बढ़ रहा है, तो भारत की बढ़ी हुई अहमियत को हम नजरंदाज नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बोरिस जॉनसन के बीच जो गर्मजोशी देखी गई है, उस पर न केवल भारतीय कूटनीतिज्ञों, बल्कि दुनिया की भी नजर होगी। दोनों ही नेता परस्पर संबंध विस्तार के लिए व्यग्र नजर आ रहे हैं, तो दुनिया के बदलते हालात की भी इसमें भूमिका है। कूटनीतिज्ञ भी इस बात को रेखांकित करते हैं कि विश्व की राजनीति में आज भारत का जो महत्व है, वह पहले नहीं था। पहले अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश भारत व पाकिस्तान के साथ एक समान व्यवहार के लिए बाध्य दिखते थे। शीतयुद्ध के दौर में दोनों देशों को एक ही तराजू पर रखकर चलने की वैश्विक कोशिश ने भारत को कई बार बहुत निराश किया है। हम अपना पक्ष रखते तो थे, लेकिन उससे लाभ नहीं ले पाते थे। अब ऐसा लगता है कि दुनिया खुद आगे बढ़कर भारत के बारे में सोचना चाहती है। अमेरिकी विदेश मंत्री हों या रूसी विदेश मंत्री या चीनी विदेश मंत्री या अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, ये तमाम यात्राएं भारतीय शक्ति का प्रमाण हैं।

हमें पाकिस्तान के साथ तौलने का पश्चिमी तराजू अब शायद टूट चुका है। हमें विश्व-राजनय में अपनी वाजिब जगह और मजबूती, दोनों को कायम रखना है। एक और ताजा मामला देखें, तो एक अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ने पाक-अधिकृत कश्मीर की यात्रा की, जिस पर भारत ने आपत्ति जताई, इसके बाद अमेरिकी सरकार को स्पष्ट करना पड़ा कि डेमोक्रेट सांसद की यात्रा से बाइडन सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। दुनिया में अभी कोई ऐसा देश नहीं है, जो भारत को रूस का पुराना साथी होने के नाते कठघरे में खड़ा कर दे। भारत बहुत संभलकर चल रहा है। वह न तो रूस के खिलाफ गया है, न ही यूक्रेन के विरोध में खड़ा दिखा है। यह संतुलन भारतीय राजनय का नया सशक्त पहलू है। हर हाल में भारत को अपना हित देखते हुए चलना है। साथ ही, यह भी ध्यान रखना है कि भारत सिर्फ बाजार नहीं है, कोई भी देश भारत को सिर्फ बाजार मानकर न चले। संबंधों का विस्तार उन्हीं देशों के साथ होना चाहिए, जिनको हमारी पीड़ाओं का भी अंदाजा हो। राजनय की मजबूती देश के विकास में साकार होनी चाहिए।

भारतीय परम्पराओं का अनुपालन कर हमें संयुक्त परिवारों को बचाना होगा

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। यदि आप सोने से पहले इसका एक चम्मच पिएंगे तो एक सप्ताह में आपका 7 किलो वजन कम हो जाएगा। भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं। इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोयह्ल, यह भारतीय विचारधारा है।

भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर ह्लकुछ मीठा हो जाएह्ल जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाइयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर कि, दीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं;





नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडयिा अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।





भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।





साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारियों को मिल सकता है 5.15 लाख तक का एरियर

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब एक करोड़ से अधिक



केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार है। अगर 7वें वेतन आयोग वाला फिटमेंट फैक्टर भी लागू होता है तो भी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले होगी। यही नहीं, अगर सरकार संशोधित पे मैट्रिक्स को 1 जनवरी 2026 से लागू करती है, तो कर्मचारियों को 12 महीने का एरियर मिल सकता है। एक गणना के मुताबिक, लेवल-6 के कर्मचारी को करीब 5.15 लाख रुपये तक का एरियर मिल सकता है। हालांकि, यह रकम फिटमेंट फैक्टर और सरकार के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगी। 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो गया था। ऐसे में अगर 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होती हैं, तो कर्मचारियों को पिछले महीनों का एरियर मिल सकता है। इसे एक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए कोई केंद्रीय कर्मचारी पे मैट्रिक्स के लेवल-6 में है और उसका मौजूदा बेसिक सैलरी 44,900 रुपये है। अगर 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 रखा जाता है, तो उसका नया मूल वेतन इस प्रकार होगा। एरियर के कैलकुलेशन में महंगाई भत्ते को भी शामिल करना जरूरी है। उदाहरण के लिए, जनवरी से जून 2026 तक 60 फीसदी डीए और जुलाई से दिसंबर तक 63 प्रतिशत डीए मानकर गणना की गई है। इस आधार पर कर्मचारी का मौजूदा मूल वेतन और डीए मिलाकर पहले छह महीने में करीब 71,840 रुपये और अगले छह महीने में करीब 73,187 रुपये बनते हैं। वहीं, प्रस्तावित नए मूल वेतन 1,15,400 रुपये और मौजूदा वेतन व डीए के बीच अंतर के आधार पर गणना इस प्रकार है। यह गणना केवल एक उदाहरण है। इसमें 2.57 फिटमेंट फैक्टर मानकर चलने के साथ यह भी माना गया है कि मौजूदा डीए नए मूल वेतन में समाहित हो जाएगा और नया डीए शून्य से शुरू होगा। फिलहाल 8वें वेतन आयोग की अंतिम सिफारिशें सामने नहीं आई हैं। फिटमेंट फैक्टर कितना होगा और नया वेतन मैट्रिक्स किस आधार पर तैयार होगा, इस पर भी अंतिम फैसला होना बाकी है। इसलिए 5.15 लाख रुपये के एरियर का आंकड़ा केवल अनुमानित गणना है, इसे पक्का भुगतान नहीं माना जा सकता। कर्मचारियों को वास्तविक वेतन वृद्धि और एरियर का पता आयोग की सिफारिशें आने और सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही चलेगा।

2026 में 81 प्रतिशत का रिटर्न, 52 वीक हाई पर स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवीज़ लैबोरेटरीज़ के शेयरों की कीमतों में आज फिर से तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का दाम आज 6 प्रतिशत से अधिक बढ़ा गया है। जिसके बाद स्टॉक 52 वीक हाई पर पहुंच गया। बता दें, कल रविवार को भी कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। तब कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई थी। रविवार को मुहूर्त सेशन के शेयर बाजार खुला था। आज बीएसई में कंपनी का शेयर 11105 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ बीएसई में 11818 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 5648 रुपये है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 3.05 लाख करोड़ रुपये का है। इस कंपनी के लिए दूसरी तिमाही काफी शानदार साबित हुई है। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 64 प्रतिशत बढ़ गया है। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 1127 करोड़ रुपये रहा है। जुलाई से सितंबर के दौरान कंपनी का रेवन्यू 3676 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी की आय में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ब्रोकरेज हाउस नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटी, गोल्डमैन स्कैस और जेपी मॉर्गन कंपनी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर बुलिश है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड न्यूट्रल रेटिंग दे रहा है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटी ने स्टॉक के लिए रेटिंग दी है। इस ब्रोकरेज ने टारगेट प्राइस को 9600 रुपये से बढ़ाकर 12000 रुपये कर दिया है। बीते 6 महीने के दौरान स्टॉक की कीमतों में 71 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 2026 में स्टॉक का दाम 81 प्रतिशत बढ़ा है।

सोना 1400 उछला, चांदी के भाव 4000 से अधिक चढ़े

दिवाली-धनतेरस के बाद भी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस बीत गया। दिवाली भी बीत गई, लेकिन सोने-चांदी के दाम तेजी और बढ़ती जा रही है। मुंबई स्थित एमसीएक्स पर आज सुबह दिसंबर 2026 की डिलीवरी के लिए एमसीएक्स सिल्वर फ्यूचर 4,000 रुपये बढ़कर 1,88,979 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। दिसंबर 2026 की डिलीवरी के लिए सोना वायदा 1,400 रुपये बढ़कर 1,43,933 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

बता दें एमसीएक्स पर भाव पल-पल बदलता रहता है। जबकि, सर्राफा बाजारों में दोपहर और शाम को तय होते हैं। यहां सोने-चांदी के दाम एमसीएक्स से अलग होते हैं। उनपर जीएसटी, लोकल टैक्स और ज्वेलरी मेंकिंग चार्ज भी जुड़े होते हैं।

अगर इस साल की बात करें तो एमसीएक्स पर 29 जनवरी को सोना 1,93,096 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर था और तब से लेकर आज की डेट तक करीब 50 हजार रुपये से अधिक सस्ता हो चुका है। वहीं, एमसीएक्स सिल्वर का भाव ऑल टाइम हाई 4,20,048 रुपये है और यह 231000 रुपये से अधिक गिर चुका है।

इंटरनेशनल स्तर पर भी सोने की कीमतों में सोमवार को 1.6 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल दर्ज की जा रही है। आज न्यूयॉर्क में गोल्ड करीब 4,129 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। पिछले



हफ्ते इसमें 5 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई थी। बता दें अंतर्राष्ट्रीय सोने की कीमतें 29 जनवरी 2026 को 5,379 प्रति औंस के रिकॉर्ड क्लोजिंग लेवल से गिरकर 4,129 पर आने में लगभग 23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। दूसरी ओर इस बीच, चांदी 2.8 फीसदी उछलकर 53.31 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

रायटर्स के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने को लेकर जारी बातचीत के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से सोने-चांदी को सहारा मिला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर आगे और हमले करने की संभावना बेहद कम है। उनके इस बयान से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका कम हुई है। तेल की कीमतों में गिरावट से महंगाई का दबाव कम होने की उम्मीद बढ़ी है। इससे ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बने रहने की आशंका भी कमजोर हुई है। इसका फायदा सोने जैसी उन संपत्तियों को मिलता है, जिनसे निवेशकों को ब्याज नहीं मिलता।

केसीएम ट्रेड के मुख्य बाजार विश्लेषक टिम वाटरर के मुताबिक, ईरान को लेकर ट्रंप के नरम रुख से कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। इससे महंगाई की चिंता कम हुई है। वहीं, डॉलर में कमजोरी ने भी सोने को सपोर्ट किया है। डॉलर कमजोर होने से दूसरे देशों के खरीदारों के लिए सोना सस्ता हो जाता है।

हालांकि, अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़ों ने सोने की तेजी पर कुछ दबाव बनाया है। अक्टूबर में रोजगार वृद्धि तेज हुई और बेरोजगारी दर घटकर 4.1 फीसदी पर आ गई। इससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरें बढ़ाने की उम्मीद मजबूत हुई है। सीएमई के फेडवॉच टूल के मुताबिक, दिसंबर में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना रोजगार आंकड़ों से पहले 71 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 79 फीसदी हो गई है।

अब आगे क्या होगा

अब बाजार की नजर अमेरिका के महंगाई के आंकड़ों पर है। मंगलवार को कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स और शुक्रवार को प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स के आंकड़े जारी होंगे। महंगाई के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा रहने पर डॉलर मजबूत हो सकता है और सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

डिविडेंड देने जा रही कंपनी का शेयर 7 प्रतिशत चढ़ा, 52 वीक हाई पर भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्स-डिविडेंड डेट से पहले पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 7 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। जिसके बाद कंपनी के शेयर 52 वीक हाई पर पहुंच गए। बीएसई में कंपनी के शेयर आज 1323.35 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 7 प्रतिशत की तेजी के साथ 1413.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। यह बीएसई मे कंपनी के स्टॉक का नया 52 वीक हाई है। बता दें, स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। 2026 में कंपनी ने निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी के शेयर सितंबर के महीने में एक्स-बोनस ट्रेड किया था। तब हर एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। अब इसी सप्ताह स्टॉक एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रहा है। कंपनी ने एक शेयर पर 5 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। बता दें, कंपनी ने डिविडेंड के लिए 13 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल ने अपनी रिपोर्ट में टैग दिया है। ब्रोकरेज ने इस स्टॉक के लिए 1550 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल ने अपनी रिपोर्ट में स्टॉक की वित्तीय स्थिति को मजबूत बताया है। दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट सालाना आधार पर 37.36 प्रतिशत बढ़ा है। इस बार शुद्ध लाभ 125.78 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 73.31 करोड़ रुपये रहा था। नेट रेवन्यू दूसरे क्वार्टर के दौरान 180153 करोड़ रुपये रहा है। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 67 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में स्टॉक का दाम 97 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 2.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। दो साल में स्टॉक का दाम 158 प्रतिशत और तीन साल में 317 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

चीन का अमेरिका को बड़ा संदेश! 24 प्रतिशत टैरिफ पर रोक जारी, लेकिन रहेगा 10 प्रतिशत शुल्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में एक नया घटनाक्रम सामने आया है। चीन ने अमेरिकी सामान पर लगाए जाने वाले 24 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ के निलंबन को दो महीने के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया है।हालांकि, अमेरिका से आने वाले सामान पर लगने वाला मौजूदा 10 प्रतिशत टैरिफ जारी रहेगा। चीन के वित्त मंत्रालय की ओर से इस फैसले की घोषणा की गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार अहम बनी हुई है। चीन ने पहले अमेरिकी उत्पादों पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। लेकिन, बाद में दोनों देशों के बीच बनी सहमति के तहत इस अतिरिक्त शुल्क को लागू करने पर रोक लगा दी गई। अब चीन ने इस रोक को 10 नवंबर से अगले दो महीने के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि फिलहाल अमेरिकी सामान को 24 प्रतिशत के अतिरिक्त टैरिफ से राहत मिलती रहेगी। हालांकि, चीन ने यह साफ किया है कि अमेरिकी आयात पर पहले से लागू 10 प्रतिशत शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस टैरिफ व्यवस्था की पृष्ठभूमि पिछले साल हुई अमेरिका-चीन वार्ता से जुड़ी है। नवंबर 2025 में चीन ने अमेरिकी सामान पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ को एक साल के लिए निलंबित करने की घोषणा की थी। यह फैसला अक्टूबर 2025 के अंत में दक्षिण कोरिया में हुई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक के बाद बनी सहमति से जुड़ा था। उस समय दोनों देशों ने व्यापारिक तनाव को कम करने और टैरिफ व्यवस्था में कुछ राहत देने की दिशा में कदम उठाया था। चीन ने अतिरिक्त 24 प्रतिशत शुल्क को फिलहाल रोकने का फैसला किया है, लेकिन मौजूदा 10 प्रतिशत टैरिफ को जारी रखा है, यानी अमेरिकी सामान पर टैरिफ पूरी तरह खत्म नहीं किया गया है।

अमेरिका में ताबड़तोड़ दिवालिया हो रही ट्रांसपोर्ट कंपनियां, इस बार टूट सकता है 23 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। वहां होने वाली हर गतिविधि का बाकी दुनिया पर असर देखने को मिलता है। डीजल की रिकॉर्ड कीमत ने अमेरिका पर असर दिखाना शुरू कर दिया है। वहां की ट्रकिंग इंडस्ट्री यानी ट्रांसपोर्ट बिजनेस की हालत पतली हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ट्रांसपोर्ट बिजनेस से जुड़ी 221 कंपनियां बैंकरप्सी के लिए आवेदन कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि इसी तरह चलता रहा तो इस बार 23 साल का रिकॉर्ड टूट सकता है। अमेरिका में यह लगातार तीसरा साल है जब 220 से ज्यादा ट्रकिंग कंपनियां दिवालिया हुई हैं। इससे पहले 2021 और 2022 में 100 से कम ट्रकिंग कंपनियां दिवालिया हुई थीं जबकि 2023 में यह संख्या 200 के नीचे थी। ब्लूमबर्ग के एक सर्वे के मुताबिक देश की करीब 66 फीसदी छोटी ट्रकिंग कंपनियों का रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले इस बार फ्लैट रहा है या इसमें गिरावट आई है। इसमें वे कंपनियां शामिल हैं जिनके पास 20 या उससे कम ट्रक हैं। सर्वे के मुताबिक 40 फीसदी छोटी ट्रकिंग कंपनियां अगले छह महीनों में इंडस्ट्री को छोड़ने की तैयारी में हैं या अपने भविष्य को लेकर कुछ नहीं कह सकते हैं। अमेरिका में डीजल की कीमत में काफी तेजी आई है। साथ ही इंश्योरेंस प्रीमियम महंगा होने और हायर इंटरेस्ट रेट से छोटी ट्रकिंग कंपनियों की हालत खस्ता होती जा रही हैं। अमेरिका में साल 2001 में रिकॉर्ड ट्रांसपोर्ट कंपनियां दिवालिया हुई थीं। इनकी संख्या 300 से अधिक थी।

1 शेयर के हो जाएंगे 20 शेयर, दिग्गज कंपनी ने किए 2 बड़े ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो कंपोनेंट्स और इक्विपमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी दिग्गज कंपनी बॉश लिमिटेड ने दो बड़े ऐलान किए हैं। कंपनी ने अपने शेयर का बंटवारा करने के साथ ही बोनस शेयर देने की घोषणा की है। शेयर के बंटवारे और बोनस शेयर के बाद अभी बॉश का 1 शेयर रखने वाले शेयरधारकों के पास कंपनी के 20 शेयर हो जाएंगे। बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के चलते ऐसा होगा। बॉश लिमिटेड के शेयर सोमवार 9 नवंबर 2026 को 3 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 49,100 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।



दिग्गज कंपनी बॉश लिमिटेड ने 3:1 के रेशियो में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। वहीं, कंपनी ने 1:5 के रेशियो में शेयर बांटने (स्टॉक स्प्लिट) का ऐलान किया है। बॉश लिमिटेड ने अभी बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट फिक्स नहीं की है। अगर किसी निवेशक के पास अभी बॉश लिमिटेड का 1 शेयर है तो 1:5 के रेशियो में स्टॉक स्प्लिट के बाद उसके पास शेयरों की संख्या बढ़कर 5 पहुंच जाएगी। वहीं, कंपनी 3:1 के रेशियो में बोनस शेयर दे रही है, ऐसे में निवेशक को 15 शेयर बोनस शेयर के रूप में मिलेंगे। इस तरह बॉश लिमिटेड का 1 शेयर रखने वाले निवेशक के पास टोटल 20 शेयर (15+5) हो जाएंगे। बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के बाद यह फायदा मिलेगा। बॉश लिमिटेड अपने शेयरधारकों को पहले भी बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। मनीकंट्रोल के डेटा के मुताबिक, कंपनी ने सितंबर 1973 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। कंपनी ने सितंबर 1976 में 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर बांटे। इसके बाद कंपनी ने सितंबर 1982 में फिर 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। कंपनी ने सितंबर 1986 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिया। बॉश लिमिटेड स्टॉक स्प्लिट भी कर चुकी है। कंपनी ने जुलाई 2004 में अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा। कंपनी ने 100 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 10-10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा। बॉश लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 839.4 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कंपनी का प्रॉफिट 18.6 पर्सेंट बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में बॉश लिमिटेड का मुनाफा 708 करोड़ रुपये था।

हरियाणा की निधि ने 5 लाख लगाकर 6 महीने में कमाए 2.5 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में चाय के साथ नमकीन और स्नैक्स खाने का शौक हर घर में है, लेकिन बाजार में मिलने वाले ज्यादातर विकल्प या तो अत्यधिक तले-भुने होते हैं या बेहद महंगे। हरियाणा की रहने वाली 29 वर्षीया निधि मित्तल ने इसी अंतर को समझा और एक नया बिजनेस आइडिया तैयार किया। अपनी पीएचडी की पढ़ाई बीच में छोड़कर उन्होंने पफ्ड नाम से एक हेल्दी और किफायती स्नैक ब्रांड खड़ा कर दिया। इसने ब्रांड ने 6 महीने में अच्छी कमाई कर ली है। कॉमर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद निधि ने साल 2019 में पीएचडी में दाखिला लिया और साथ में ट्यूशन भी पढ़ाती थीं। फरवरी 2023 में शादी के बाद जब उन्होंने घर के लिए राशन और स्नैक्स की खरीदारी शुरू की, तो महसूस किया कि बाजार में बच्चों और बुजुर्गों के लिए पौष्टिक और बजट-फ्रेंडली स्नैक्स की कमी है।

रिपोर्ट: मैटर्निटी लीव खत्म के बाद 25 प्रतिशत भारतीय महिलाएं छोड़ देती हैं नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में मां और पिता को मिलने वाली पैरेंटल लीव के बीच दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अंतर है। ग्लोबल हायरिंग और पेरोल प्लेटफॉर्म ष्ठद्गद्यद्य की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, मैटर्निटी लीव खत्म होने के छह महीने के भीतर 25 प्रतिशत भारतीय महिलाएं अपनी नौकरी छोड़ देती हैं। पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत है। हालांकि, यह ग्लोबल रेशियो से कम है। दुनिया भर में 30 प्रतिशत महिलाएं और 23 प्रतिशत पुरुष छुट्टी के बाद छह महीने के भीतर नौकरी छोड़ देते हैं।

इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में मां औसतन 130 वर्किंग डेज यानी करीब 26 सप्ताह की छुट्टी लेती हैं, जबकि पिता को औसतन सिर्फ 7 दिन की लीव है। इस मामले में भारत से आगे केवल ब्रिटेन है, जहां मां और पिता की छुट्टी के बीच अंतर 19.5 गुना है। भारत में यह अंतर 18.6 गुना है। ष्ठद्गद्यद्य की जेनरस गवर्नमेंट पैरेंटल लीव पॉलिसीज डोन्ट गारंटी जेंडर इक्विलिटी शीर्षक वाली रिपोर्ट में 12 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के करीब 5,000 माता-पिता के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। इसमें सामने आया कि कागजों पर माता-पिता के लिए छुट्टी की



नीतियां भले ही समान और उदार दिखें, लेकिन वास्तविकता में इसका लाभ महिलाओं और पुरुषों को बराबर नहीं मिलता। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पिता को मिलने वाली छुट्टी पूरी तरह एम्प्लायर यानी कंपनी की इच्छा पर निर्भर करती है। इसके लिए कोई अनिवार्य कानूनी प्रावधान नहीं है। यही वजह है कि स्टडी में शामिल सभी 12 देशों में भारतीय पिता सबसे कम पैरेंटल लीव लेते हैं।

अगर तुलना करें तो ब्रिटेन और इटली में पिता औसतन 10 दिन, कनाडा और अमेरिका में 28 दिन की छुट्टी लेते हैं। वहीं स्वीडन में यह अवधि 67 दिन और स्पेन में 70 दिन है। यानी अमेरिका में पिता भारतीय पुरुषों के मुकाबले चार गुना ज्यादा छुट्टी लेते हैं। भारत में मां औसतन 130 वर्किंग डेज की छुट्टी लेती हैं। यह मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत मिलने वाली 26 सप्ताह की छुट्टी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 98.7 प्रतिशत मां अपनी पूरी छुट्टी एक ही बार में लेती हैं। यह 12 देशों में सबसे ज्यादा है। वहीं 80.1 प्रतिशत पिता अपनी छुट्टी एक साथ लेते हैं।

कार और बाइक इंश्योरेंस के लिए जीरो डेप्रिसिएशन कवर जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी कोई नई गाड़ी जैसे कार या बाइक लेता है तो उसका इंश्योरेंस कराता है। इंश्योरेंस किसी भी वाहन और उसके मालिक के लिए एक वित्तीय कवच के रूप में काम करता है। यह गाड़ी के खो जाने, चोरी होने, एक्सीडेंट होने और किसी प्रकार के नुकसान होने समेत अन्य स्थितियों में नियम के तहत बीमा कंपनी के द्वारा आर्थिक मदद करता है। ऐसे में एक शब्द है जीरो डेप्रिसिएशन कवर। सामान्य इंश्योरेंस में यह नहीं मिलता है बल्कि इसको अलग से ऐड ऑन कराना होता है। तेजी के साथ बदलते समय और गाड़ियों के बढ़ते इस्तेमाल के बीच लोगों में बीमा के साथ जीरो डेप्रिसिएशन कवर लेने का मामला तेजी से बढ़ा है। एक्सपर्ट इसे आपकी कार और बाइक (उदाहरण के लिए) के लिए बहुत ही अहम मानते हैं। आखिर कार या बाइक के लिए जीरो डेप्रिसिएशन कवर क्यों जरूरी है और यह सामान्य बीमा से कितना फायदेमंद है। आमतौर पर कई लोग कार या बाइक का सामान्य इंश्योरेंस कराते हैं, जिसमें जीरो डेप्रिसिएशन कवर शामिल नहीं होता है। ऐसे में क्या होता है कि जब आपकी कार या बाइक का एक्सीडेंट (दुर्भाग्य से) होता है तो उसके कुछ पार्ट्स जैसे प्लास्टिक, मेटल, रबर और फाइबर समेत अन्य को भी नुकसान पहुंच सकता है। इनके नुकसान में सामान्य इंश्योरेंस में बीमा कंपनी उनकी पुरानी घिसावट को कम करके कुछ पैसा दे देती है। बाकी के पैसों को आपको अपनी जेब से भरना पड़ता है। ऐसे में आपको जीरो डेप्रिसिएशन कवर नहीं लेने पर आर्थिक रूप से भी नुकसान होता है।

दिवाली में अंबानी-अडानी की कितनी बढ़ी दौलत धनतेरस पर मस्क ने कमाए 5.69 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस पर भारत में आम आदमी सोने-चांदी में ही उलझा रहा और उधर असली धन की बारिश तो एलन मस्क पर हुई। दुनिया के सबसे अमीर इस व्यक्ति की दौलत एक ही दिन में 60.50 अरब डॉलर यानी करीब 5.69 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 845 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसके बाद दिवाली पर दोनों भारतीय उद्योगपतियों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी पर भी लक्ष्मी जी मेहरबान हुईं। दोनों की दौलत में भी इजाफा देखने को मिला, लेकिन मस्क की तुलना में बहुत कम। दिवाली के दिन मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान भले ही सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए हों, लेकिन मुकेश अंबानी और गौतम अडानी का नेटवर्थ ग्रीन रहा। अडानी ग्रुप की अधिकतर कंपनियों के शेयरों में तेजी की वजह से चेयरमैन गौतम अडानी की दौलत में 1.95



अरब डॉलर यानी करीब 18000 करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हुआ। अंबानी का नेटवर्थ भी 956 मिलियन डॉलर यानी करीब 9000 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की दौलत रविवार को 1.95 अरब डॉलर बढ़कर 119 अरब डॉलर पर पहुंच गई। ब्लूमबर्ग के मुताबिक एशिया के सबसे अमीर अडानी अब दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में 18वें नंबर पर हैं। जबकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी एशिया में तीसरे और दुनिया में 23वें नंबर के अमीर हैं। इनके पास 88.3 अरब डॉलर की संपत्ति है। शुक्रवार को जब भारत के लोग धनतेरस मनाकर सो रहे थे तो अमेरिका में दुनिया के सबसे रईस शख्स एलन मस्क पर धन की बारिश हो रही थी। मस्क की कंपनियों के शेयर उछले तो उनकी दौलत एक ही दिन में 7.7 प्रतिशत उछल गई।

2020 के बाद तेल के दाम में सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। अप्रैल 2020 के बाद पिछले सप्ताह तेल की कीमतों में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 97 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया, जबकि अमेरिकी ड्ब्ल्यूटीआई क्रूड 90 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम घटेंगे दिल्ली में पेट्रोल आज भी 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये लीटर है। यानी दिवाली के बाद भी रेट में कोई बदलाव नहीं है।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक पिछले हफ्ते ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। अक्टूबर के अंत में छह महीने के हाई पर पहुंचने के बाद से कच्चे तेल के दाम लगातार नीचे आए हैं। अमेरिका के मिड टर्म इलेक्शन में डेमोक्रेट्स की जीत के बाद बाजार को उम्मीद है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष और नहीं बढ़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने को लेकर बातचीत आगे बढ़ती होती है तो ईरान पर नए हमले की संभावना बेहद कम है। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि बातचीत में खास प्रगति नहीं हुई है और ईरान की मांगें स्वीकार करने योग्य नहीं हैं।

कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है। सप्ताहांत में होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे एक तेल टैंकर पर अज्ञात मिसाइल से हमला होने की खबर है। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको के रियाद स्थित कार्यालयों को निशाना बनाया। इसके जवाब में सऊदी सेना ने दो मिसाइल लॉन्चर नष्ट कर दिए। हालांकि, होर्मुज में जहाजों पर हमलों के बावजूद फारस की खाड़ी से कच्चे तेल का निर्यात युद्ध से पहले के स्तर के करीब पहुंच गया है। ब्लूमबर्ग के सर्वे के मुताबिक, ओपेक के उत्पादन में भी फरवरी के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है और यह सदस्य देशों के उस समय के उत्पादन के करीब 88 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कच्चे तेल के दाम में आई बड़ी गिरावट के बावजूद पेट्रोल-डीजल के रेट जस के तस है। ऐसा क्यों है दरअसल, तेल का यह वायदा भाव है। मतलब सौदा आज होगा और डिलीवरी जनवरी में मिलेगी। दूसरी बात, सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रेट तो रोजाना जारी करती हैं, लेकिन उन पर सरकार का नियंत्रण होता है। कच्चे तेल के दाम घटने पर कंपनियां पहले अपना घाटा पूरा करती हैं। सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम मई 2026 में चार बार में 7.50-7.50 रुपये लीटर बढ़ाए थे।

KL राहुल ने जीता दिल

अवॉर्ड में मिला महंगा फोन मैच अधिकारी को किया गिफ्ट



फोन मिलने पर हैरान रह गई महिला अधिकारी

बीसीसीआई ने राहुल के इस खास पल का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में महिला अधिकारी फोन मिलने के बाद अपनी खुशी और हैरानी जाहिर करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि राहुल ने उन्हें अपना फोन दे दिया और वह इस तरह के तोहफे की बिल्कुल उम्मीद नहीं कर रही थीं। उन्होंने इस gesture के लिए भारतीय बल्लेबाज का आभार भी जताया।

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार बल्लेबाजी के बाद मैदान के बाहर भी ऐसा काम किया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। भारत की 4 रन से रोमांचक जीत के बाद राहुल को 'गेमचेंजर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड मिला था। लेकिन उन्होंने इनाम में मिले महंगे स्मार्टफोन को अपने पास रखने के बजाय स्टेडियम की एक महिला अधिकारी को गिफ्ट कर दिया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पेरिस मास्टर्स

अल्काराज ने रूड को हराकर फाइनल में बनाई जगह



सातवें अलग मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

कैस्पर रूड के खिलाफ जीत के साथ ही अल्काराज सात अलग-अलग एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। एटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, 23 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी अब तक मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में कुल 11 चैंपियनशिप मुकाबले खेल चुके हैं।

पेरिस, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में कैस्पर रूड को 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने हाल ही में यूएस ओपन में अल्काराज को हराया था। दोनों के बीच अब तक हुए चार मुकाबलों में स्पेनिश खिलाड़ी ने तीन जीत दर्ज की हैं। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने पेरिस मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने नॉर्वे के कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया।

एलेना ने 2026 डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस लिया



नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की नंबर 1 एलेना रायबाकिना ने वायरल बीमारी के कारण इंडियन वेल्स में होने वाले 2026 डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस ले लिया है। रायबाकिना ने कहा, 'मुझे अपने सभी फैंस और समर्थकों को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि बदकिस्मती से मुझे इस साल डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस लेना पड़ रहा है।' उन्होंने कहा, 'मेरा सीजन बहुत अच्छा रहा है, लेकिन मेरा शरीर अभी मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं है। मैं घर पर आराम करने और ठीक होने में कुछ समय बिताऊंगी और 2027 सीजन के लिए खुद को तैयार करूंगी। डब्ल्यूटीए फाइनल्स एक बहुत ही खास टूर्नामेंट है और मैं सभी को शुभकामनाएं देती हूं। मार्च में इंडियन वेल्स में वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती।'

डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्टा कोस्त्युक ग्रुप 1 में रायबाकिना की जगह लेंगी, और रविवार को टूर्नामेंट के पहले मैच में लिंडा नोस्कोवा का सामना करेंगी। इसके अलावा, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला भी बाद के राउंड रॉबिन मैचों में उनका सामना करेंगी। रायबाकिना ने साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर एंट्री की थी, और सऊदी अरब के रियाद में 2025 एडिशन में आखिरी क्वालीफायर के तौर पर बिना हारे रहीं। इस सीजन में, वह यूएस ओपन में अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद पहली सिंगल्स क्वालिफायर थीं, जहां उन्होंने नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की थी। रायबाकिना डब्ल्यूटीए पर अपना 2026 सीजन 54-14 के रिकॉर्ड और चार खिताब – ऑस्ट्रेलियन ओपन, स्टटगार्ट, यूएस ओपन और निंगबो के साथ खत्म करेंगी। नाम वापस लेने के बावजूद, उन्होंने टोक्यो में पीआईएफ द्वारा पेश की गई डब्ल्यूटीए साल के आखिर की नंबर 1 सिंगल्स रैंकिंग हासिल की। वर्ल्ड नंबर 1 और डिफेंडिंग चैंपियन के हटने के बाद, कोस्त्युक पहले अल्टरनेट के तौर पर कॉम्पिटिशन में उतरीं।

दीपक चाहर कप्तान, मानव सुतार उपकप्तान, अभिषेक-कार्तिक भी टीम में; सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए राजस्थान का स्क्वाड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रतिष्ठित घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के लिए लगातार अब टीमों के स्क्वाड जारी होने का सिलसिला जारी है। 32 टीमों वाला एलीट राउंड का यह टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू हो जाएगा। इसी बीच रविवार रात एलीट ग्रुप ए में शामिल राजस्थान ने अपने स्क्वाड का ऐलान हुआ है। इस टीम की कप्तानी दीपक चाहर को सौंपी गई है, वहीं मानव सुतार उपकप्तान बनाए गए हैं। दीपक चाहर के भाई राहुल चाहर भी इस टीम का हिस्सा हैं।





इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को भी स्क्वाड में जगह मिली है। बाएं हाथ के 18 वर्षीय बल्लेबाज और दाएं हाथ के गेंदबाज अभिषेक मूंद को भी राजस्थान के स्क्वाड में शामिल किया गया है। वहीं अनुभवी महिपाल लोमरोर भी स्क्वाड का हिस्सा हैं।

मुकुल की एंट्री, खलील अहमद बाहर – लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शानदार खेल दिखाकर आईपीएल 2026 में सुर्खियां बटोरने वाले मुकुल चौधरी को भी इस टीम में जगह मिली है। कार्तिक, मुकुल के अलावा तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज कुणाल सिंह राठौर का भी चयन हुआ है। हैमस्ट्रिंग इंजरी से रिकवर हो रहे खलील अहमद का इस टीम में चयन नहीं हो पाया है।

हैमिल्टन वनडे में कप्तान शुभमन गिल करेंगे फेरबदल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला मंगलवार को हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में खेला जाएगा. भारतीय समयानुसार ये मुकाबला सुबह 7.30 बजे शुरु होगा. भारतीय टीम शुरुआती दोनों मैच जीतकर 2-0 की बढ़त बना चुकी है. अब इस मुकाबले को जीतकर वो सीरीज पर कब्जा जमाना चाहेगी. शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में कम से कम एक बदलाव कर सकती है. अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिलने की उम्मीद है.



पाक-श्रीलंका

एक साथ इन 4 धुरंधरों का हुआ डेब्यू, मिली प्लेइंग इलेवन में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मुकाबले में पाकिस्तान की टीम बिल्कुल नए अंदाज में मैदान पर उतरी है. पाकिस्तानी टीम मैनेजमेंट ने एक बहुत बड़ा कदम उठाते हुए अपनी प्लेइंग इलेवन में एक साथ चार नए खिलाड़ियों को डेब्यू करने का मौका दिया है. अचानक हुए इन बदलावों और युवा खिलाड़ियों को तरजीह दिए जाने से क्रिकेट गलियारों में हलचल मच गई है.



श्रीलंका के खिलाफ मजबूत इरादों के साथ उतरी पाकिस्तानी टीम

रावलपिंडी में खेले जा रहे इस मुकाबले में सीनियर खिलाड़ियों के साथ इन युवा चेहरों को शामिल करने का मुख्य उद्देश्य टीम में नया जोश भरना है. पाकिस्तानी टीम की कमान बाबर आजम के हाथों में है, जबकि साउद शकील और सलमान अली आगा जैसे अनुभवी बल्लेबाज मिडिल ऑर्डर को संभाल रहे हैं. गेंदबाजी आक्रमण में अनुभवी मोहम्मद अब्बास के साथ-साथ रजाउल्लाह और नए गेंदबाज साकिब खान मोर्चा संभाल रहे हैं. दूसरी तरफ श्रीलंका की टीम भी कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ बेहद मजबूत प्लेइंग इलेवन के साथ उतरी है.

शतरंज

मध्य प्रदेश के अनुज श्रीवास्तव बने भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को शतरंज में अपना 100वां ग्रैंडमास्टर मिल गया है। मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल मास्टर अनुज श्रीवास्तव ने रविवार को फिलीपींस में आयोजित 7वीं आसियान प्लस व्यक्तिगत ओपन शतरंज चैंपियनशिप जीतकर यह उपलब्धि हासिल की। 22 वर्षीय अनुज भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। भारत को शतरंज में अपना 100वां ग्रैंडमास्टर मिल गया है। मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल मास्टर अनुज श्रीवास्तव ने रविवार को फिलीपींस में आयोजित 7वीं आसियान प्लस व्यक्तिगत ओपन शतरंज चैंपियनशिप जीतकर यह उपलब्धि हासिल की। 22 वर्षीय अनुज भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। फिलीपींस के मिसामिस ऑक्सिडेंटल स्थित असेंसो ग्लोबल यूथ लीडरशिप एंड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस टूर्नामेंट में अनुज ने कुल आठ में से सात अंक हासिल किए। उन्होंने प्रतियोगिता का पहला मुकाबला गंवाने के बाद शानदार वापसी की और खिताब अपने नाम किया।



विश्वनाथन आनंद थे भारत के पहले ग्रैंडमास्टर – भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद देश के पहले ग्रैंडमास्टर बने थे। उन्होंने 1987 में अपना तीसरा ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया था और 1988 में आधिकारिक तौर पर यह खिताब अपने नाम किया था। अनुज श्रीवास्तव के ग्रैंडमास्टर बनने के साथ ही भारत ने शतरंज में एक नया मुकाम हासिल कर लिया है।

पांच महीने में मिले पांच नए ग्रैंडमास्टर – भारत ने जुलाई 2026 से नवंबर 2026 के बीच महज पांच महीनों में अपने 96वें से 100वें ग्रैंडमास्टर तक का सफर पूरा किया। अनुज श्रीवास्तव से पहले एथन वाज, हर्षवर्धन जीबी, एस अश्वथ और वी रथनेवेल को ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला था।

कोच भी डरते हैं...



विराट कोहली को सुझाव देना हो सकता है खतरनाक

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली को लेकर टीम इंडिया के पूर्व असिस्टेंट कोच रायन टेन डेस्काथे ने एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया है. उन्होंने बताया कि कैसे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली की बल्लेबाजी में एक तकनीकी खामी को दूर करने के लिए उन्हें काफी सावधानी बरतनी पड़ी? रायन टेन डेस्काथे ने ये किस्सा टॉकस्पोर्ट क्रिकेट पॉडकास्ट में बताया. उनके मुताबिक कोहली उस दौरे पर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर ड्राइव करने की कोशिश में बार-बार आउट हो रहे थे. इस तरह से उनका लगातार आउट होना चर्चा का विषय बन गया था, और सवाल उठ रहे थे कि क्या कोचिंग स्टाफ इस मुद्दे पर काम कर रहा है या नहीं?

कोच के लिए ये हो सकता है खतरनाक

हालांकि, डेस्काथे ने माना कि कोहली जैसे कद के खिलाड़ी के साथ ऐसी बातचीत शुरू करना एक नाजुक काम हो सकता है. उनके अनुसार, कोचों को न केवल यह सोचना चाहिए कि वे क्या कहना चाहते हैं, बल्कि यह भी कि वे संदेश कैसे और कब देते हैं? डेस्काथे ने आगे कहा कि उनका मानना है कि एक कोच के लिए विराट कोहली जैसे खिलाड़ी के पास जाना और हस्तक्षेप करना, और लगभग उन्हें ये बताना कि क्या हो रहा है, आपके लिए एक कोच के तौर पर खतरनाक हो सकता है. इसके लिए शब्दों का सही चुनाव और संदेश देने का तरीका बहुत महत्वपूर्ण है.

'विराट को सलाह देने से कोच भी डरते हैं'

रायन टेन डेस्काथे ने पॉडकास्ट में बताया कि विराट कोहली जैसे इंटरनेशनल क्रिकेटर को तकनीकी सुझाव देना आसान नहीं होता है. इतने बड़े कद वाले खिलाड़ी को तकनीकी सलाह देने से कोच भी डरते हैं. रायन टेन डेस्काथे नेबताया कि मैं कभी ऐसा कोच नहीं बनना चाहता जो सही बात कहने के लिए किसी और की राय से डरे. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चौथे टेस्ट में, मैं उनसे बात करने गया. बड़ी बात ये है कि वास्तव में विराट भी यही चाहते थे कि कोई उनसे उस खामी पर बात करे.

'दुनिया हिला देंगे...'

अक्षर पटेल ने अर्शदीप सिंह को चिढ़ाया

● ऋतुराज गायकवाड़ के सामने खुद भी घिरे



नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में रविवार (9 नवंबर) को बारिश ने भारतीय टीम का अभ्यास सत्र रोक दिया, लेकिन खिलाड़ियों की मस्ती जारी रही. इस दौरान अक्षर पटेल ने साथी गेंदबाज अर्शदीप सिंह को (इंडियन प्रीमियर लीग) 2027 से पहले ट्रेड की अफवाहों को लेकर जमकर चिढ़ाया. अक्षर ने मुंबई इंडियंस का मशहूर स्लोगन 'दुनिया हिला देंगे' कहकर अर्शदीप की खिंचाई की. दरअसल, अर्शदीप सिंह को लेकर चर्चा है कि वह पंजाब किंग्स से मुंबई इंडियं में जा सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों फ्रेंचाइजी के बीच हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह की अदला-बदली पर बातचीत पूरी हो चुकी है. इस संभावित सौदे पर खिलाड़ियों की सहमति और ढक्कन अधिकारियों की मंजूरी बाकी है. अर्शदीप सिंह के बाद खिलाड़ियों ने अक्षर पटेल की भी खिंचाई की. दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर को चेन्नई सुपर किंग्स से जोड़ने वाली अटकलों पर मजाक किया गया.

यमन के लाल सागर में फंसे 19 भारतीय नाविकों को सुरक्षित निकाला गया

नई दिल्ली: यमन के होदेइदा और सना में पिछले दो हफ़्तों से फंसे उन्नीस भारतीय नाविकों को निकाल लिया गया है, वे सभी सुरक्षित हैं और अपने देश वापस जा रहे हैं. यमन में भारतीय दूतावास ने रविवार देर रात यह जानकारी दी. मिशन ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'सभी नाविक सुरक्षित हैं. उनकी सेहत अच्छी है और वे भारत वापस जा रहे हैं. दूतावास हमारे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए सभी संबंधित लोगों को उनके कीमती सहयोग और लगातार सपोर्ट के लिए दिल से धन्यवाद देता है.' यह निकासी भारत के यह कहने के कुछ दिनों बाद हुई है कि यमन के तट पर एक घटना में शामिल एक यॉट पर सवार 14 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं. यह अभी साफ नहीं है कि ये 14 लोग उन 19 नाविकों में शामिल हैं जिन्हें निकाला गया है. 23 अक्टूबर को भारतीय मिशन ने कहा था कि होदेइदा के पास एक यॉट पर सवार सभी 14 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और वह घटना के हालात का पता लगाने के लिए संबंधित पक्षों के संपर्क में है. कुछ अरब मीडिया आउटलेट्स ने पहले यमन के हूती समूह के प्रवक्ता याह्या सारी के हवाले से दावा किया था कि सऊदी सेना ने यमन के तट के पास लाल सागर में युकार आइलैंड के पास भारतीय यॉट को निशाना बनाया था. सारी ने कहा था कि यॉट में 14 भारतीय नागरिक सवार थे और हूती लड़ाके उन्हें बचा रही थी. यह घटना सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच फिर से तनाव बढ़ने के बीच हुई. इसमें हाल के दिनों में हमलों और जवाबी हमलों की खबरें आई. सऊदी अरब ने हूती मिसाइलों और ड्रोन को रोका है, जबकि सऊदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने यमन में हवाई हमले किए जिससे 2022 के युद्धविराम के तहत तुलनात्मक रूप से शांत रहने के बाद बड़े संघर्ष के लौटने का डर बढ़ गया है.

खड़गे के दिवाली संदेश पर छिड़ा सियासी संग्राम: 'ईद' से तुलना करने पर भड़की भाजपा, कांग्रेस ने बताया एकता का संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी।



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए इसे 'खुशियों की ईद' बताने पर देश की राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे हिंदू आस्था का अपमान और तुष्टीकरण की राजनीति करार देते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिवाली को 'खुशियों की एक ईद' कहने वाले बयान पर भाजपा और एआईएमआईएम ने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए इसे वोटबैंक और तुष्टीकरण की राजनीति करार दिया है। विवाद बढ़ता देख कांग्रेस ने बचाव करते हुए कहा कि 84 वर्षीय नेता ने 'ईद' शब्द का इस्तेमाल व्यापक अर्थ में जश्न और राष्ट्रीय एकता के संदेश के तौर पर किया था।

नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने देशवासियों को दिवाली की बधाई देते हुए कहा था कि यह हमारे हिंदुस्तान में सभी लोगों द्वारा मनाया जाने वाला बहुत बड़ा त्योहार है और यह 'खुशियों की एक ईद' है, जो लंबे समय तक चलती है। उन्होंने लोगों से त्योहार के मौके पर एकता मजबूत करने और सामाजिक भेदभाव मिटाने की अपील की। बयान पर बवाल मचने के बाद कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने 84 वर्षीय खड़गे का बचाव किया। पार्टी का कहना है कि 'ईद' शब्द का उपयोग केवल खुशी के एक बड़े उत्सव और विभिन्न संस्कृतियों के बीच राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में किया गया था।

भाजपा ने खड़गे के इस बयान को आड़े हाथों लिया है। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने आरोप लगाया कि खड़गे की यह टिप्पणी दिखाती है कि कांग्रेस धार्मिक तुष्टीकरण की जहरीली राजनीति के लिए करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने से नहीं हिचकिचाती। वहीं, भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इसे खुला तुष्टीकरण बताते हुए सवाल किया कि क्या कांग्रेस कभी ईद के मौके पर किसी हिंदू त्योहार का उदाहरण देगी? भंडारी ने 2008 के बाटला हाउस एनकाउंटर और 2012 में सलमान खुर्शीद के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि तस्वीरें देखकर सोनिया गांधी रो पड़ी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस बाटला और बाबरी के लिए रोती है और दीपावली का अपमान करती है।

भाजपा नेताओं ने अगले साल की शुरूआत में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से जोड़ते हुए कांग्रेस पर विशुद्ध वोटबैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। भंडारी ने कहा कि कांग्रेस का डीएनए सनातन विरोधी है। वहीं, सीआर केसवन ने खड़गे पर पहले महाकुंभ को अपमानित करने और राहुल गांधी पर छठ पूजा को 'ड्रामा' बताने का आरोप लगाया। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल खड़गे ने भाजपा नेताओं के गंगा स्नान पर सवाल उठाते हुए कहा था कि वे किसी की आस्था पर सवाल नहीं उठा रहे, बल्कि गरीबों और मजदूरों की स्थिति पर बात कर रहे हैं। वहीं, राहुल गांधी की 'ड्रामा' वाली टिप्पणी छठ पर्व पर नहीं, बल्कि यमुना में पीएम मोदी के प्रस्तावित स्नान को लेकर थी। इस मामले में सिर्फ भाजपा ही नहीं, बल्कि एआईएमआईएम ने भी कांग्रेस अध्यक्ष को घेरा है। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने खड़गे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे चुनावी लाभ के लिए अपनाई गई एक राजनीतिक चाल बताया।

दीपावली पर आतिशबाजी का कहर : जूता फैक्ट्री सहित 12 जगह अग्निकांड

आगरा, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के आगरा में दीपावली की खुशियां इस बार आतिशबाजी की चिंगारियों की चपेट में आकर तबाही में बदल गईं। रविवार की रात से सोमवार सुबह तक ताजनगरी में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर भीषण आग लगने की दर्दनाक घटनाएं सामने आईं, जिसमें जूता कारखाने, फलों की दुकानें और रिहायशी मकान शामिल हैं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम पूरी रात लगातार आग बुझाने में जुटी रही, जिससे शहर में दहशत का माहौल बना रहा। आग की सबसे बड़ी घटना लक्ष्मी नगर में हुई, जहां पटाखों से निकली एक चिंगारी ने एक जूता कारखाने में आग लगा दी। कारखाने में रखे केमिकल और चमड़े के सामान के कारण आग देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर गई। ऊंची उठती लपटों ने पूरे इलाके में भय का माहौल पैदा किया। स्थानीय लोगों की सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। हालांकि, तब तक कारखाने का भारी नुकसान हो चुका था। इसके अलावा, बिचपुरी रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक फलों की दुकान भी भीषण आग की चपेट में आ गई। आग इतनी तेज थी कि पूरी दुकान जलकर राख हो गई, जिससे व्यापारी का लाखों का सामान नष्ट हो गया। वहीं, आवास विकास कॉलोनी में भी एक मकान आतिशबाजी की वजह से लगी आग से प्रभावित हुआ, जिसे दमकल कर्मियों ने समय रहते नियंत्रित कर लिया। दीपावली की रात शहर भर से आग लगने की लगातार सूचनाएं मिलती रहीं, जिसके चलते दमकल विभाग की गाड़ियां पूरी रात एक के बाद एक घटनास्थल पर दौड़ती रहीं। गनीमत यह रही कि इन दर्दनाक हादसों में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये के माल के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है, जिसने दीपावली की खुशियों को मातम में बदल दिया।

काली पूजा पर कोलकाता पुलिस का बड़ा एक्शन : 592 गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में काली पूजा की रात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कोलकाता पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान कुल 592 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से 205 ने प्रतिबंधित पटाखे जलाए थे, जबकि 387 को उपद्रव करने के आरोप में पकड़ा गया। इसके साथ ही, पुलिस ने 238.6 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे भी जब्त किए। पुलिस कार्रवाई केवल यहीं तक सीमित नहीं रही। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 593 लोगों पर भी कार्रवाई की गई। इसमें 454 बिना हेलमेट वाले दोपहिया वाहन चालक और यात्री, 75 तेज व लापरवाही से वाहन चलाने वाले और 64 शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले शामिल थे। इसके अतिरिक्त, 6 लीटर अवैध शराब भी जब्त की गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नियमों के उल्लंघन पर नजर रखने के लिए शहर के प्रमुख स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

एक सोची-समझी साजिश के चलते पंजाब के खेतों में जानबूझकर लगाई गई आग

- दिल्ली में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर पहुंचा, मंत्री कपिल मिश्रा ने लगाए आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली के मौके पर तय समयसीमा के काफी बाद तक राजधानी दिल्ली में बड़े पैमाने पर पटाखे जलाए जाने के कारण सोमवार को शहर की हवा में प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो गया। सुबह जब लोगों की आंखें खुलीं, तो पूरा शहर घनी धूसर धुंध की चादर में लिपटा हुआ था। इस बीच दिल्ली की रेखा सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने इसे एक बड़ी साजिश बताया है और इसका संबंध पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं से जोड़ा है। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने मीडिया से कहा कि रविवार शाम उन्हें पंजाब के किसानों के फोन आने लगे थे, जिन्होंने बताया कि रात के समय उनके खेतों में जानबूझकर आग लगाई जा रही है।

दिवाली की रात कई राज्यों में आग का तांडव : मुंबई, लखनऊ, दिल्ली और उज्जैन में धधकी लपटें; दमकल की टीमों ने बचाई दर्जनों की जान

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिवाली के जश्न के बीच देश के कई हिस्सों- महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा और गुजरात,- में भीषण आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें रिहायशी इमारतों से लेकर फैक्ट्रियां और सरकारी दफ्तर तक चपेट में आ गए। समय पर पहुंची दमकल और रेस्क्यू टीमों ने ठाणे में 50 और उज्जैन में तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर बड़ा हादसा टाल दिया।

महाराष्ट्र: ठाणे की रहेजा बिल्डिंग से 50 लोगों का रेस्क्यू, नागपुर में पटाखों से लगी आग

महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, नागपुर, नवी मुंबई और पुणे में दिवाली की रात आग की कई घटनाएं दर्ज की गईं। ठाणे स्थित रहेजा बिल्डिंग में रात करीब 8 बजे भीषण आग लग गई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मुताबिक, दमकल कर्मियों और टीडीआर टीम ने अपनी जान जोखिम में डालकर बहादुरी दिखाई और इमारत में फंसे 50 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं, नागपुर में पटाखों की वजह से आग लगने की बात सामने आई है।



दिल्ली: नरेला इंडस्ट्रियल एरिया की रबर फैक्ट्री में भड़की आग, 7 दमकल गाड़ियां तैनात

देश की राजधानी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में रात 8 बजकर 33 मिनट पर एक रबर फैक्ट्री में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली दमकल सेवा ने तुरंत सात गाड़ियों को मौके पर रवाना किया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिसके बाद कूलिंग का काम जारी रहा। फैक्ट्री में आग लगने की असली वजह, नुकसान और किसी के घायल होने के बारे में अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

लखनऊ : आशियाना के कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आशियाना थाना क्षेत्र के छोटा देवी खेड़ा गांव में आग लगने की घटना हुई। यहां एक कबाड़ कारोबारी के गोदाम में अचानक आग भड़क उठी। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। गोदाम में रखे सामान को हुए नुकसान और आग लगने के कारणों का विस्तृत ब्योरा अभी नहीं मिला है, हालांकि किसी के घायल होने या जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है।

मध्य प्रदेश (उज्जैन और देवास): हार्डवेयर बिल्डिंग से बुजुर्ग समेत 3 का रेस्क्यू

मध्य प्रदेश के उज्जैन में देवास रोड के नागझिरी इलाके में स्थित विश्वकर्मा हार्डवेयर की इमारत में रात करीब 10 से 10:15 बजे के बीच आग लग गई। जिला कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के मुताबिक, मौके पर चार दमकल गाड़ियां भेजी गईं। नगर पुलिस अधीक्षक श्वेता गुप्ता ने बताया कि पुलिस और दमकलकर्मियों ने दो लोगों को सुरक्षित निकाला और तीसरी मंजिल पर फंसे एक बुजुर्ग को भी बचाकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा। उधर, देवास के जवाहर चौक स्थित सब्जी मंडी के पास एक पुरानी लकड़ी की इमारत में भी आग लग गई।

देवास नगर निगम के दमकल अधिकारी जितेंद्र सिसोदिया ने बताया कि शहर में एक ही दिन में करीब तीन जगह आग लगी, जिसकी शुरूआती वजह पटाखे हो सकते हैं। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में शिखरचंडी स्थित रेशम उत्पादन कार्यालय में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कार्यालय में आग कैसे लगी और कितना नुकसान हुआ, इसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

किसी की इबादतगाह शहीद की जाए तो हर इंसान का दिल पसीज जाएगा, आंसू आ जाएंगे

- बाबरी मस्जिद विध्वंस पर सोनिया गांधी के बयान पर अबू आजमी का भावनात्मक बयान

नई दिल्ली , एजेंसी। अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराए जाने के मामले पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के हालिया बयान ने एक बार फिर सियासी हलचल तेज कर दी है। सोनिया गांधी ने दावा किया था कि जब उन्हें बाबरी मस्जिद विध्वंस की खबर मिली तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। इस बयान के बाद बीजेपी लगातार सोनिया गांधी पर हमलावर है। इसी बीच महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी विधायक अबू आजमी का बड़ा और भावनात्मक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने सोनिया गांधी के आंसुओं की कद्र तो की, लेकिन अपनी और अपने समुदाय की पीड़ा को भी व्यक्त किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अबू आजमी ने सोनिया गांधी के आंसुओं को सम्मान देते हुए कहा कि हर सच्चा इंसान, चाहे वह किसी भी मजहब का हो, अगर किसी की इबादतगाह शहीद की जाए और गुंडागर्दी के बलबूते पर हथौड़ा लेकर उसे तोड़ा जाए तो मैं समझता हूं कि हर इंसान का दिल पसीज जाएगा और उसकी आंखों में आंसू आ जाएंगे। उन्होंने सांप्रदायिक ताकतों द्वारा बाबरी मस्जिद को शहीद करने की कड़ी निंदा की और कहा कि इससे बुरा कोई काम हो ही नहीं सकता है। आजमी ने सोनिया गांधी के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सोनिया गांधी के आंखों में आंसू थे, हम सब तो बहुत चिल्ला चिल्ला कर रो रहे थे उस दिन। हमारी मस्जिद को इन लोगों ने शहीद कर दिया और आज उसपर मंदिर बना दिया। उनके इस बयान में उस दिन की प्रत्यक्ष पीड़ा और गहरी भावनाएं स्पष्ट रूप से झलकती हैं, जो एक समुदाय के तौर पर उन्होंने महसूस की थी। इतना ही नहीं अबू आजमी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कोर्ट ने यह बोलकर मंदिर बनाने की इजाजत दी थी कि बहुसंख्यक ऐसा चाहते हैं। मुसलमान हिंदुस्तान में हमेशा से माइनॉरिटी में है।

अखिलेश का अयोध्या दौरा- पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने किया स्वागत

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का अयोध्या दौरा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बना है। इस बहुप्रतीक्षित दौरे को लेकर जहां सियासी बयानबाजी तेज हो गई है, वहीं बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने इसका गर्मजोशी से स्वागत किया है। अंसारी ने कहा कि भगवान राम की नगरी में सभी को दर्शन करने आना चाहिए। उन्होंने अयोध्या के धार्मिक महत्व पर जोर देकर कहा, यह धर्म की नगरी है, भगवान राम और हनुमान का निवास स्थान है। यहां बहने वाली सरयू नदी और प्राचीन परंपराएं देश भर से श्रद्धालुओं को आकर्षित करती हैं। अंसारी ने अपनी टिप्पणी में अयोध्या की धरती पर हर गलती को क्षमा किए जाने की बात कहकर अखिलेश के दौरे को सद्भावपूर्ण दृष्टिकोण से देखने का संकेत दिया, जहां उनका मानना है कि भगवान सभी के लिए हैं और सभी को उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अखिलेश के कदम को सीधे तौर पर चुनावी रणनीति का हिस्सा बताकर हमलावर है। बीजेपी ने समाजवादी पार्टी के शासनकाल के दौरान कारसेवकों पर हुई गोलीबारी का मुद्दा फिर से उठाया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिक्रिया देकर कहा है कि अखिलेश अयोध्या आएं, लेकिन उससे पहले उन्हें अपने पुराने कृत्यों के लिए माफी मांगनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के नेता तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय ने दावा किया था कि अखिलेश यादव 12 दिसंबर को रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएंगे। इस प्रकार, अखिलेश का यह अयोध्या दौरा राजनीतिक बहसों का केंद्र बना हुआ है, जिसमें स्वागत और तीखी आलोचना दोनों एक साथ चल रही हैं।

बांग्लादेश लौटेंगी पूर्व पीएम शेख हसीना: नए पासपोर्ट और पहचान पत्र के लिए किया आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने स्वदेश लौटने की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेशी दूतावास से नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने का औपचारिक अनुरोध किया है। अगस्त 2024 में हिंसक विद्रोह के बाद भारत में शरण लेने के बाद से दूतावास के साथ उनका यह पहला आधिकारिक संपर्क है। अगस्त 2024 से भारत में शरण लिए हुए बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने स्वदेश लौटने के लिए नई दिल्ली स्थित बांग्लादेशी दूतावास से नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगा है। उनके वकीलों ने कार्यवाहक उच्चायुक्त प्रीति रहमान को इस संबंध में औपचारिक पत्र सौंपा है, जबकि रिपोर्ट्स के मुताबिक हसीना दिसंबर में बांग्लादेश लौटकर अदालत में सरेंडर कर सकती हैं।

शेख हसीना की ओर से लंदन स्थित प्रसिद्ध कानूनी फर्म 'मैट्रिक्स चैंबर्स' के प्रतिनिधियों ने नई दिल्ली में बांग्लादेश की कार्यवाहक उच्चायुक्त प्रीति रहमान को एक औपचारिक पत्र सौंपा है। पत्र में कहा



गया है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा हसीना के मौजूदा पासपोर्ट और दस्तावेज रद्द किए जाने की खबरों के मद्देनजर उन्हें जल्द से जल्द नए यात्रा दस्तावेज और पहचान पत्र जारी किए जाएं। वकीलों ने अपनी मांग के समर्थन में हसीना की बांग्लादेशी नागरिकता और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों के तहत बांग्लादेश सरकार के दायित्वों का हवाला दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख हसीना आगामी दिसंबर महीने में बांग्लादेश लौटकर वहां की अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने की योजना पर काम कर रही हैं। हालांकि, उनकी यह संभावित वापसी बांग्लादेश में एक बार फिर नए सिरे से राजनीतिक और कानूनी तनाव पैदा कर सकती है। बता दें कि इससे पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने दिसंबर 2024 में भारत को शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए औपचारिक अनुरोध भी भेजा था, जबकि नवंबर 2025 में वहां की एक अदालत से जुड़े मामले भी चर्चा में रहे थे।

जून 2024 में बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत स्वतंत्रता सेनानी कोटा प्रणाली के विरोध में छात्र आंदोलन शुरू हुआ था, जो देखते ही देखते देशव्यापी जन-आंदोलन और हिंसक विद्रोह में बदल गया। हालात बेकाबू होने के बाद 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर सैन्य विमान के जरिए भारत आना पड़ा था। इसके बाद से ही वे भारत में रह रही हैं और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने उनकी पार्टी 'अवामी लीग' को भी देश में प्रतिबंधित कर दिया है। शेख हसीना के नए पासपोर्ट और एनआईडी के लिए आवेदन करने की खबर से दोनों देशों के राजनीतिक और कूटनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। हाल ही में बांग्लादेश में गारमेंट मजदूरों के विरोध प्रदर्शनों को लेकर भी अंतरिम सरकार ने शेख हसीना पर निशाना साधा था। अब यह देखना बेहद अहम होगा कि बांग्लादेश का विदेश मंत्रालय और अंतरिम सरकार उनके नए यात्रा दस्तावेज जारी करने के आवेदन पर क्या फैसला लेती है।

बदले डोनाल्ड के सुर : ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई टाल सकते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में संसद के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर नरम रुख अपनाते हुए कहा है कि अगर बातचीत आगे बढ़ी, तो अमेरिका के फिर से जंग में उतरने की संभावना बहुत कम है। हालांकि, उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अपना दबाव बनाए रखने और उसे परमाणु बम न बनाने देने की शर्त को दोहराया है।

बातचीत से सुलझेगा विवाद: दोबारा युद्ध में जाने की संभावना बेहद कम

मिडटर्म चुनाव के नतीजों के बाद ट्रंप की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा

बोले- बातचीत से निकल सकता है रास्ता



कि ईरान के साथ कूटनीतिक स्तर पर बातचीत के रास्ते खुले हैं। यदि यह बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ती है, तो अमेरिका दोबारा किसी बड़े सैन्य टकराव या युद्ध में नहीं उतरेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की हवाई सुरक्षा प्रणाली को निशाना बनाकर उसे तबाह किया है और ईरान बिना अमेरिकी मंजूरी के अपने परमाणु कार्यक्रम में कुछ नहीं कर सकता।

परमाणु हथियार पर सख्त रुख बरकरार: मध्यस्थों के जरिए भेजा प्रस्ताव

भले ही ट्रंप ने युद्ध से दूरी बनाने के संकेत दिए हों, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर उनकी नीति में कोई ढील नहीं आई है। उन्होंने दोहराया कि किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। हाल ही में मध्यस्थों के जरिए ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम के भविष्य को लेकर एक प्रस्ताव भी भेजा गया है। ट्रंप का मानना है कि अगर उन्होंने समय रहते कड़े कदम न उठाए होते, तो आज इजरायल और पूरे मिडिल ईस्ट के वजूद पर संकट खड़ा हो जाता।

ईरान युद्ध बना रिपब्लिकन की हार की वजह: पेट्रोल के दामों ने बिगाड़ा खेल

दरअसल, ट्रंप के इस बदले हुए रुख के पीछे मिडटर्म चुनाव के नतीजे बड़ी वजह माने जा रहे हैं। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और खुद डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार किया है कि ईरान के साथ लंबे खिंचे संघर्ष की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव के चलते अमेरिका में पेट्रोल-डीजल की कीमतें आसमान छूने लगीं, जिससे आम अमेरिकी परिवारों पर महंगाई का बोझ बढ़ा और मतदाताओं ने रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ वोट किया। इस बार के मिडटर्म चुनाव में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट, दोनों सदनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। बहुमत मिलने के बाद अब डेमोक्रेट्स के पास ट्रंप प्रशासन के फैसलों, ईरान युद्ध पर हुए अरबों डॉलर के खर्च और उनकी नीतियों की जांच करने की पूरी ताकत आ गई है। ऐसे में आने वाले दो वर्षों में किसी भी नए सैन्य अभियान के लिए ट्रंप को संसद के भीतर कड़े विरोध का सामना करना पड़ सकता है, जिसे देखते हुए वे अब टकराव के बजाय बातचीत का रास्ता तलाशते दिख रहे हैं।



राघव की इकाई का बीटीएस वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली। विकास बहल की आगामी फिल्म 'इकाई' की शूटिंग का एक बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो ऑनलाइन सामने आया है, जिसमें राघव जुयाल और फिल्म से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने जा रहीं कोमल पावस्कर नजर आ रहे हैं। यह वीडियो फिल्म की शूटिंग की एक झलक पेश करता है।'किल और द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपने अभिनय से पहचान बनाने वाले राघव जुयाल लगातार अलग-अलग तरह के किरदारों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। अब वह इस आगामी प्रोजेक्ट में कोमल पावस्कर के साथ एक नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी के रूप में नजर आएंगे। लीक हुए बीटीएस वीडियो में राघव और कोमल को एक पारंपरिक बाजार जैसे माहौल में सीढ़ियों पर बैठे देखा जा सकता है।

लाइफ Style

श्रीनिधि

सिर्फ पैसों के लिए फिल्में साइन नहीं करती

साउथ की मशहूर अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी ने साल 2018 में कन्नड़ फिल्म केजीएफ: चैप्टर 1 से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। केजीएफ की सफलता के बाद श्रीनिधि शेट्टी ने हिट: द थर्ड केस, कोबरा और तेलुगु कडा जैसी फिल्मों में काम किया।

8 साल के कॅरियर में उनकी चुनिंदा फिल्में आईं। ऐसे कयास लगाए जाते हैं कि केजीएफ की सफलता के बाद श्रीनिधि ने अपनी फीस 7 से 8 करोड़ रुपए प्रति फिल्म कर दी थी। अब खुद श्रीनिधि शेट्टी ने इन अफवाहों पर पहली बार चुप्पी तोड़ी है। एक बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा कि पैसा उनके लिए मायने नहीं रखता है। केजीएफ फिल्मों (चैप्टर 1 और चैप्टर 2) की सफलता के बाद कहा जा रहा है कि मैं 7 से 8 करोड़ रुपए मांग रही हूं। मैंने अब तक कुछ ही फिल्मों में काम किया है। ऐसे में मैं इतनी बड़ी रकम कैसे मांग सकती हूं? इसलिए, यह सिर्फ एक अफवाह है। अगर पैसा कमाना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य होता तो मैं पिछले कुछ सालों में 30 से 40 फिल्मों में काम कर सकती थी, लेकिन मैं सिर्फ पैसों के लिए फिल्में साइन नहीं करती। मैं अच्छी कहानियों और बेहतरीन किरदारों को प्राथमिकता देती हूं। श्रीनिधि शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबरः 47 - एके47' के प्रमोशन में बिजी हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्रिविक्रम श्रीनिवास कर रहे हैं। फिल्म में श्रीनिधि के अलावा लीड रोल में वेंकटेश हैं। वहीं, नारा रोहित, निवेथा पेथुराज और युविना पार्थवी सहायक भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 30 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

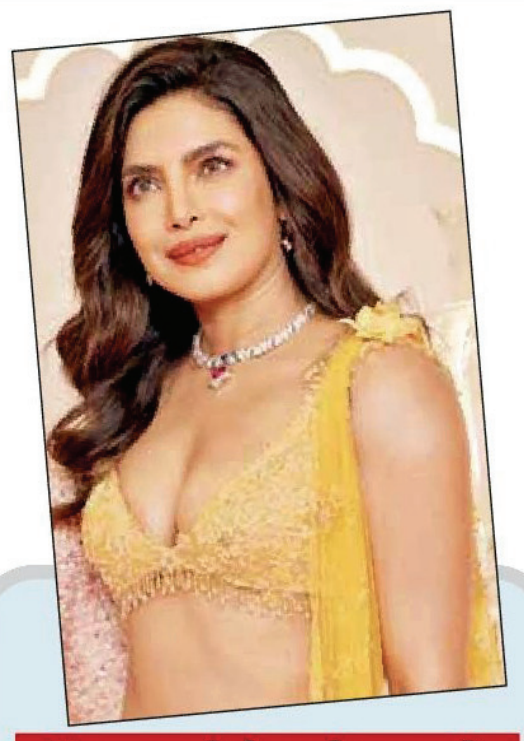


हॉलीवुड मसाला



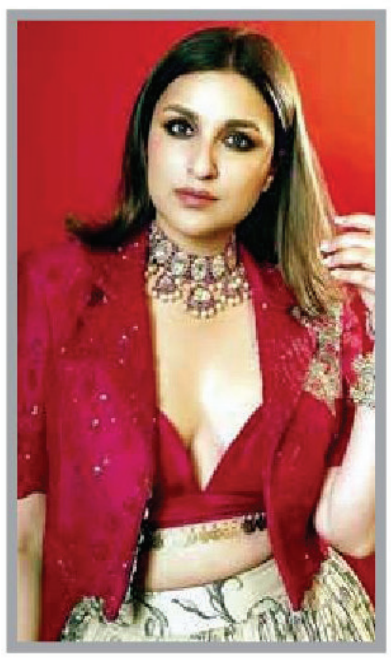
'लव इन वेन' में मिला लीड रोल

लॉस एंजिल्स। फैंस के 'आइरन मैन' और हॉलीवुड सुपरस्टार रॉबर्ट डाउनी जूनियर के तो हम सभी दीवाने हैं। हर सिनेमा दर्शक को 'एवेंजर्सः डूम्सडे' का बेसब्री से इंतजार है। लेकिन, इस बीच एक बड़ी खबर ये है कि उनके 33 साल के बेटे इंडियो फाल्कनर डाउनी भी जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। इंडियो को बतौर लीड हीरो उनकी पहली फीचर फिल्म 'लव इन वीन' में काम मिला है। विल डी लॉस सैंटोस के निर्देशन में बनने वाली यह इंडिपेंडेंट फिल्म राइटर रयान लियोन के नॉवल 'वेस्टिंग टैलेंट' पर बेस्ड है।



ऑस्कर की रेस में भारतीय फिल्म का देंगी साथ

लॉस एंजिल्स। फिल्ममेकर प्रणव भसीन की फिल्म 'वी वर हीअर' को अब ऑस्कर की दौड़ के लिए तैयार किया जा रहा है। उनकी मदद के लिए अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाथ आगे बढ़ाया है। प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय सिनेमा को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाती नजर आ रही हैं। प्रणव भसीन के निर्देशन और लेखन में बनी शॉर्ट फिल्म 'वी वर हीअर' को अब तक 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जा चुका है। फिल्म से जुड़ने को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने एक प्रेस नोट में कहा, 'यह फिल्म एक ऐसे विषय को नए और मजेदार अंदाज में पेश करती है, जो आज के समय में काफी प्रासंगिक है।



35 हजार फीट ऊंचाई पर तोड़ा व्रत

नई दिल्ली। परिणीति चोपड़ा ने भी पति की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखा था। जहां तमाम फिल्म स्टार्स की पत्नियों और एक्ट्रेसेस ने एकसाथ मिलकर इसे सेलिब्रेट किया वहीं एक्ट्रेस ने इसे अलग अंदाज में मनाया है। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर बताया कि एक्ट्रेस ने अपना व्रत 35 हजार फीट ऊपर पहुंचकर आसमान में तोड़ा। इसी के साथ परिणीति की इन झलकियों नें उनकी बहन प्रियंका चोपड़ा के उस किस्से को ताजा कर दिया है जब चांद न निकलने पर करवाचौथ का व्रत तोड़ने के लिए निक प्रियंका को लेकर प्राइवेट प्लेन से बादलों के पार पहुंच गए थे। परिणीति चोपड़ा ने आज 30 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर ये मजेदार वीडियो शेयर किया है। इन झलकियों में कपल एक एयरक्राफ्ट केबिन के अंदर नजर आ रहे हैं।



ओम चैप्टर 1 में आईपीएस ऑफिसर बनीं साई

मुंबई। अगले महीने 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली 'रामायणम' में सीता का किरदार निभाने के बाद, साई पल्लवी अब 'ओमः चैप्टर 1 – उधिरमः द ब्लड वुड' में एक बिल्कुल अलग रोल में नजर आएंगी। इस आने वाली एक्शन थ्रिलर के मेकर्स ने उनके किरदार, नित्या रेड्डी, से पर्दा उठाया है। फिल्म में वह एक सीबीआई ऑफिसर की भूमिका में हैं, जिन्हें लाल चंदन की अवैध तस्करी की जांच करने का काम सौंपा गया है। फिल्म की पहली झलक में उनके किरदार के अतीत और उस निजी नुकसान की झलक मिलती है, जो उन्हें इस जांच के लिए प्रेरित करता है। इसी वजह से वह धनुष और ममूटी के किरदारों के संपर्क में आती हैं। प्रमोशनल वीडियो में नित्या को 'ईमानदारी, समझदारी और युवा जोश के साथ अनुभव' का एक बेहतरीन मिश्रण बताया गया है।

टीवी मसाला

'फैमिली फुल हाउस' में पहुंचे राजपाल, कॉमेडी से सबको हंसाया



नई दिल्ली। रोहित शर्मा इन दिनों 'फैमिली फुल हाउस' के चलते चर्चा में हैं। क्रिकेटर और होस्ट रोहित शर्मा के शो में हाल ही में राजपाल यादव पहुंचे थे जहां उन्होंने बताया कि कैसे राजपाल यादव की फिल्मों ने उन्हें मैदान पर मुश्किल दिनों से उबरने में मदद की। रोहित शर्मा ने अपनी कुछ पुरानी यादों को शेयर करते हुए कहा, 'जब मैं खेलता हूं, आउट हो जाता हूं या हम मैच हार जाते हैं,

नाचते हुए मरी तो मिसाल बन जाऊंगी, विठाबाई बन छाईं श्रद्धा

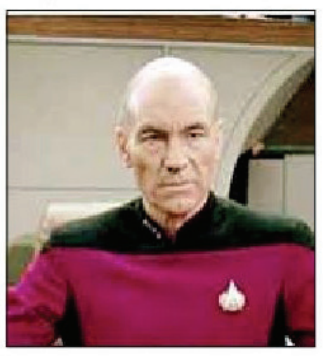
मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में श्रद्धा कपूर एक बिल्कुल अलग और दमदार अवतार में नजर आ रही हैं। यह फिल्म 4 दिसंबर, को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'स्त्री' के जरिए दर्शकों को डराने और एंटरटेन करने वाली श्रद्धा इस बार महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जिंदगी को पर्दे पर उतारने जा रही हैं। फिल्म के ट्रेलर में लोककला, संघर्ष, जुनून और एक कलाकार की जिंदगी के कई रंग देखने को मिलते हैं। 3 मिनट 2 सैकेंड के इस ट्रेलर की शुरुआत एक जबरदस्त डॉयलॉग के साथ होती है, जिसमें सुनने को मिलता है कि तुम्हीं ने कहा था ना कि देखते हैं क्या टूटता है? मेरा भरोसा या मेरा घमंड, मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे, जब वो टूट गया ना सब टूट गया। इसके बाद ट्रेलर में विठाबाई की जिंदगी के संघर्ष को दिखाया गया है।



प्रोफेसर चार्ल्स बनकर दिमाग पर छाए, आखिरी बार 'एवेंजर्स-डूम्सडे में नजर आएंगे पैट्रिक

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के दिग्गज कलाकार पैट्रिक स्टीवर्ट का बुधवार को 86 साल की उम्र में निधन हो गया। अभिनेता ने एक्स-मेन सीरीज में अपने किरदार प्रोफेसर चार्लस जेवियर से दर्शकों का दिल जीता है। उन्होंने एक्स-मेन' फिल्मों में प्रोफेसर एक्स के अलावा कई दूसरे प्रोजेक्ट में यादगार किरदार निभाए हैं। यहां उनके कुछ किरदारों का जिक्र है। पैट्रिक स्टीवर्ट की आखिरी फिल्म 'एवेंजर्सः डूम्सडे' होगी, जो 17 दिसंबर को भारत में रिलीज होने वाली है।

नोबलमैन : मिस्टर स्टीवर्ट अपने देश ब्रिटेन में मंच (स्टेज) के एक मशहूर अभिनेता थे। उन्होंने 1966 में रॉयल शेक्सपियर कंपनी के साथ काम करना शुरू किया। उनके सबसे चर्चित किरदारों में 'मैकबेथ' में मुख्य किरदार यानी परेशान कुलीन व्यक्ति (नोबलमैन) शामिल है। मिस्टर स्टीवर्ट ने इस किरदार



के बारे में कहा था, 'मैंने पूरे 365 दिनों तक मैकबेथ का किरदार निभाया। यह किरदार मेरे अंदर इतनी गहराई तक उतर गया था कि उस समय इसने मेरी पूरी जिंदगी पर कब्जा कर लिया था'

प्रोफेसर एक्स : मिस्टर स्टीवर्ट ने कई 'एक्स-मेन' फिल्मों में चार्ल्स जेवियर, यानी प्रोफेसर एक्स का किरदार निभाया। इसमें वह व्हीलचेयर पर बैठे एक अमीर टेलीपैथ (जो दिमाग से दूसरों से जुड़ सकता है) के रूप में नजर आए। उनका यह किरदार काफी मशहूर हुआ।

प्रोफेसर एक्सः हाल ही में मिस्टर स्टीवर्ट ने 'एवेंजर्सः डूम्सडे' में फिर से यही किरदार निभाया है, जो दिसंबर में रिलीज होने वाली है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि 'मुझे अभी भी दिलचस्प ऑफर मिलते रहते हैं और मुझे नए काम की चुनौतियों का सामना करना अच्छा लगता है। मैं कभी भी आधिकारिक तौर पर रिटायर होने के बारे में सोच भी नहीं सकता। मैं हमेशा और हमेशा के लिए एक एक्टर ही रहूंगा।'

कैप्टन पिकार्ड : कैप्टन पिकार्ड 20वीं सदी के टेलीविजन के सबसे मशहूर किरदारों में से एक हैं। मिस्टर स्टीवर्ट ने 'स्टार ट्रेकः द नेक्स्ट जेनरेशन' में इस किरदार को बहुत ही शांत और गंभीर अंदाज में निभाया।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com



हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.